आश्विन कृष्ण पक्ष एकादशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 75 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
17 सितंबर 2025 बुधवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
33 अधिकतम
23 न्यूनतम

Page-7

न्यूज विंडो

सरकार ने कबाड़ बेचकर कमा लिए 3,300 करोड़

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री मोदी के 75वें जन्मदिन पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक एक्स पोस्ट में भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में पड़े कबाड़ को बेचकर जुटाई गई रकम का आंकड़ा दिया है। उन्होंने बताया कि सरकार को कबाड़ बेचकर 3,296.71 करोड़ रुपये की आमदनी हुई, जबकि 696.27 लाख स्क्वैयर फीट की जगह खाली हुई। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा हैरान करने वाला, लेकिन सच है। उन्होंने बताया कि सरकार के विभिन्न विभागों ने 137.86 लाख ऑफिस फाइलें हटा दी गईं। मंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा, पीएम मोदी ने लाल किले के प्राचीर से स्वच्छता अभियान की शुरुआत की और यह तुरंत एक जनआंदोलन बन गया। 'यह इस दशक की दुर्लभ सफलता की कहानी है। यह सरकारी सुधार के अचानक सामाजिक संस्कृति बनने का दुर्लभ उदाहरण है।' जितेंद्र सिंह ने अपनी पोस्ट के साथ कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं।

यूपी में भी एसआईआर पर घमासान, सपा ने वोटर लिस्ट मांगी

लखनऊ, एजेंसी। बिहार के बाद अब उत्तर प्रदेश में भी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मामला तुल पकड़ता दिख रहा है। इसे लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) ने उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से 2003 से लेकर अब तक वोटर लिस्ट मांगी है। ज्ञापन में कहा 2003 के बाद कई बार पोलिंग स्टेशनों का पुनर्गठन हुआ है, जिसमें बड़ी संख्या में मतदाताओं के बूथ और मतदान केंद्र बदल गए हैं। इन्हें चिह्नित करना बहुत जरूरी है। सपा ने मांग की है कि वो 2003 से लेकर अब तक जो भी वोटर लिस्ट बनी है, उसे बगैर किसी शुल्क के उपलब्ध कराएं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जन्मदिन पर धार में किया सबसे बड़े टैक्सटाइल पार्क का शिलान्यास

कपड़ा उद्योग के लिए गेम चेंजर होगा पार्क किसानों को फायदा, युवाओं को रोजगार

धार, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज धार जिले के भैंसोला गांव में पीएम मित्र टैक्सटाइल पार्क का शिलान्यास करते हुए कहा कि इस पार्क से लाखों किसानों को तो फायदा होगा ही, युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार भी मिलेगा। उन्होंने कहा वह दिन दूर नहीं जब यहां से बनने वाला कपड़ा दुनियाभर में अपनी पहचान बनाएंगा। यह पहली परियोजना है जिसके तहत किसान की फसल से लेकर कारखाने में प्रोसेसिंग और निर्यात को एक साथ लाया गया है। यह पूरे देश के कपड़ा उद्योग को नई दिशा देगा। पीएम ने इस अवसर पर 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार एवं पोषण' अभियान और 'आदि सेवा पर्व' की भी शुरुआत की। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और क्षेत्रीय लोग शामिल हुए। श्री मोदी ने कहा कि प्रदेश में माहेश्वरी वस्त्रों का गौरवशाली परंपरा रही है, जिसे देवी अहिल्याबाई ने आगे बढ़ाया था। आज इस पार्क के जरिए इसी को मजबूत किया जा रहा है। महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर पीएम ने आव्हान किया कि सभी महिलाएं बिना संकोच किए 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार एवं पोषण' अभियान का लाभ उठाते हुए स्वास्थ्य की जांच अवश्य कराएं। उन्होंने कहा कि हमने जो विकास भारत बनाने का जो संकल्प लिया है उसके चार स्तंभ नारी, युवा, गरीब और किसान हैं। आज धार में इन चारों स्तंभों को मजबूती देने का काम हो रहा है। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर लोगों से स्वदेशी अपनाने का आव्हान किया और कहा कि वे चाहते हैं देशभर में दुकानों पर स्वदेशी सामान की बिक्री की बोर्ड दिखाई दें। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह नया भारत यह घर में घुसकर मारता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री की सोच के तहत ही किसानों को सीधे कारखानों और निर्यात से जोड़ने का कार्य हो रहा है। श्री मोदी आज दुनिया के सबसे बड़े नायक है फिर भी उन्होंने मप्र को अपने जन्मदिन के लिए चुना यह प्रदेश के लिए गौरव की बात है।

3 लाख को मिलेगा रोजगार

प्रधानमंत्री द्वारा शिलान्यास किए गए पीएम मित्र पार्क को प्रदेश ही नहीं, देश के वस्त्र उद्योग के लिए गेम चेंजर माना जा रहा है। धार जिले में 2158 एकड़ में विकसित होने वाले इस पार्क में अत्याधुनिक औद्योगिक ढांचा तैयार किया जा रहा है। इसमें 20 एमएलडी का कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट, 10 एमवीए का सौर ऊर्जा संयंत्र, पानी और बिजली की पुख्ता आपूर्ति, आधुनिक सड़कें और 81 प्लग-एंड-प्ले यूनिट्स शामिल होंगी। श्रमिकों और महिला कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे यह केवल औद्योगिक क्षेत्र नहीं बल्कि आदर्श औद्योगिक नगर का रूप लेगा। अब तक 23 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव इस पार्क के लिए मिल चुके हैं। अनुमान है कि इससे लगभग तीन लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

'सुमन सखी चैटबॉट' लॉन्च

कार्यक्रम में पर्यावरण सुधार के साथ महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिये चलाये जा रहे 'एक बगिया माँ के नाम' अभियान में महिला स्व-सहायता समूह की एक महिला को पौधा भेंट किया गया। प्रदेश में अब तक दस हजार से अधिक महिलाओं को माँ की बगिया तैयार करने की स्वीकृति दी जा चुकी है। साथ ही प्रधानमंत्री मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए 'सुमन सखी चैटबॉट' लॉन्च हुआ । इसके माध्यम से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी उपलब्ध होगी। इसी दौरान उनके द्वारा सिकल सेल स्क्रीनिंग एवं काउंसिलिंग के एक करोड़ वें कार्ड का भी वितरण किया गया। प्रधानमंत्री ने 'मातृ-वंदना योजना' के तहत देशभर की पात्र महिलाओं को एक क्लिक में राशि ट्रांसफर की।

प्रधानमंत्री ने अपने जन्मदिन के लिए मध्यप्रदेश को ही क्यों चुना ?

गाहे-बगाहे
अनिल शर्मा

प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के 11 सालों को देखा जाए तो इस दौरान चाहे उनका जन्मदिन हो या फिर कोई और विशेष अवसर , आम तौर पर वे देश की सीमाओं पर देश रक्षा की जिम्मेदारी निभा रहे जवानों के बीच दिखाई देते रहे हैं। ऐसे में यह कुछ तो खास वजह रही होगी कि 75 वें जन्म दिवस के विशेष मौके पर उन्होंने देश की ह्रदय स्थली को चुना। दरअसल यही वो धरा है, जिसे भारतीय जनता पार्टी की जन्म स्थली के रूप में भी पहचान मिली हुई है। केंद्र हो या आधे से ज्यादा राज्य, पार्टी की जो फसल आज लहलहा रही है, उसका बीज यहीं से फूटा और उसे सींचने का काम भी यही हुआ। यहीं से पहले हिंदू महासभा, जनसंघ और फिर जनता पार्टी के रास्ते भाजपा तक का सफर तय हुआ। आज पार्टी संगठन की मजबूत जड़ें इसी प्रदेश में सबसे गहरी हैं। इतिहास के झरोखे से देखें तो प्रदेश में जनसंघ के जमाने से ही नारायण प्रसाद गुप्ता, कुशाभाऊ ठाकरे और प्यारेलाल खंडेलवाल की तिकड़ी जमीनी संघर्ष से संगठन को मजबूत करने में जुटी रही। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम के बगैर भी मप्र में पार्टी के विकास की गाथा अधूरी है। 1977 में जनता पार्टी की सरकार बनने, उसके पतन और फिर 1980 में हुए बिखराव के बाद यहाँ इस दशक की शुरुआत में ही पार्टी को सफलता की काफी उम्मीदें थीं लेकिन ऐसा नहीं हो सका। 1884 में इंदिरा गाँधी की शहादत के बाद 1985 के चुनाव में अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई। इस दौरान वीरेंद्र सकलेचा, कैलाश सारंग, गोविंद सारंग, बाबूलाल गौर, लक्ष्मीनारायण शर्मा, विक्रम वर्मा, गौरीशंकर शेजवार, कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल आदि का संघर्ष जारी रहा। जनता दल के साथ मिलकर भाजपा 1990 में 222 सीटों के साथ सरकार बनाने में कामयाब रही और सुंदरलाल पटवा मुख्यमंत्री बने। हालांकि रामजन्मभूमि आंदोलन के बाद बदली परिस्थितियों में पटवा सरकार चली गई और राष्ट्रपति शासन के दौरान कांग्रेस को मजबूत होने का मौका मिला और उनकी सरकार बन गई। 2003 में जब कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता में जबरदस्त गुस्सा था, तब उमा भारती के नेतृत्व में पार्टी ने चुनाव लड़ा और सफलता पाई।पहले उमा फिर बाबूलाल गौर और शिवराज सीएम बने। 2018 में पार्टी बहुमत से चूक गई और कांग्रेस को मौका मिला। सिंधिया की बगावत से 15 महीने में ही कमलनाथ की सरकार गिरी, शिवराज फिर सत्तासीन हुए। 2023 के चुनाव में जीत के बाद पार्टी ने शिवराज को केंद्र में मौका दिया और मोहन यादव को कमान मिली। अब वही भाजपा की पारी को आगे बढ़ा रहे हैं।

देहरादून में तबाही से मौत का आंकड़ा 17 पार

13 से अधिक लापता, कई पुल और सड़कें क्षतिग्रस्त

देहरादून, एजेंसी

देहरादून के सहस्त्र धारा में बीते रोज बादल फटने से हुई तबाही का खौफनाक मंजर जगह-जगह दिखाई दे रहा है। भारी बारिश से दर्जनों नदियां उफान पर आईं, जो अपने साथ लोगों को बहाकर ले गईं। जहां दर्जनों मकान, दुकान और होटल इस प्राकृतिक आफत की भेंट चढ़ गए, वहीं, इस तबाही से मरने वालों का आंकड़ा 17 पार पहुंच गया है। मोठ नदी में दो पुराने शव भी मिले हैं। जबकि 13 से अधिक लोग लापता हैं। जिनकी तलाश जारी है। जिले में 11 नदियों पर बने पुल क्षतिग्रस्त होने और 62 सड़कें क्षतिग्रस्त होने से आवागमन पूरी तरह ठहर गया है। देहरादून के पास ही खनन कार्य में लगे 15 मजदूर ट्रैक्टर ट्राली समेत बह गए। अलग-अलग जगह से 8 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि 3 लोगों को नदी के बहाव से बचाया गया।

आज भी मुसीबत का अलर्ट

वहीं, मौसम विभाग ने आज के लिए भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। देहरादून से मसूरी जाने वाला मार्ग भी परी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। अब प्रशासन बारिश से बिगड़े हालातों का जायजा लेने प्रभावित इलाकों का दौरा कर नुकसान का आंकलन करने में जुटा है। वाडिया इंस्टीट्यूट, सीएसआईआर-एनजीआरआई और सिक्किम विवि के वैज्ञानिकों ने मालदेवता में 2022 में आई तबाही पर शोध किया था। वहीं मंजर इस वर्ष भी दिखाई दिया है। शोध में बताया गया कि सहस्त्रधारा, मालदेवता की चट्टानें कमजोर हैं।

माता वैष्णो देवी यात्रा 22 दिन बाद फिर शुरू

जम्मू, एजेंसी

जय माता दी के जयकारों के बीच माता वैष्णो देवी यात्रा आज से एक बार फिर शुरू हो गई। यात्रा 26 अगस्त को स्थगित की गई थी। 22 दिन पहले हुए भूस्खलन में 34 लोगों की जान चली गई थी और 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। श्राइन बोर्ड ने कहा कि मौसम अनुकूल रहने की स्थिति में ही यात्रा होगी। यात्रा सुबह 6 बजे से दोनों मार्गों से शुरू की गई। इससे पहले खराब मौसम और ट्रैक की मरम्मत के चलते यात्रा को अस्थायी रूप से रोका गया था। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए बोर्ड ने कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सभी यात्रियों के लिए वैध पहचान पत्र और आरएफआईडी कार्ड अनिवार्य है। साथ ही, यात्री निर्धारित मार्गों का पालन करें और कर्मचारियों का सहयोग करें। बोर्ड अधिकारी ने कहा, 22 सितंबर से शुरू हो रहे नवरात्रि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है।

तीन डकैतों ने सैन्य वर्दी में बैंक से लूट लिए 20 करोड़ और सोना

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक के विजयपुरा जिले के चडचण कस्बे में अपराधियों ने बैंक लूट की एक बड़ी घटना को अंजाम दिया। तीन नकाबपोश हथियारबंद डकैतों ने भारतीय स्टेट बैंक की एक शाखा में धावा बोलकर लगभग 21 करोड़ मूल्य की नकदी और सोने के आभूषण लूट लिए। डकैतों ने सैन्य वर्दी जैसी पोशाक पहन रखी थी और उनके पास देसी पिस्तौल व धारदार हथियार थे। वे शाम करीब 6.30 बजे बैंक में दाखिल हुए और कर्मचारियों को धमकाते हुए उनके हाथ-पैर प्लास्टिक की थैलियों से बांध दिए। अपराधियों ने बैंक मैनेजर और अन्य कर्मचारियों को शौचालय में बंद कर दिया गया ताकि कोई विरोध न कर सके। ग्राहकों को भी बंधक बना लिया गया। डकैतों ने बैंक में घुसते ही मैनेजर को धमकाया, कैश निकालो, नहीं तो जान से मार दूंगा। इसके बाद उन्होंने कैश वॉल्ट खुलवाया और फिर सोने के लॉकर भी खुलवाए। उन्होंने ग्राहकों के जमा किए गए आभूषणों और बैंक की नकदी को बैग में भरकर फरार हो गए। डकैतों ने इस वारदात को अंजाम देने के लिए एक नकली नंबर प्लेट वाली वैन का इस्तेमाल किया। वारदात के बाद वे महाराष्ट्र के पंढरपुर की ओर भागे। रास्ते में सोलापुर जिले में उनकी गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया, जिससे स्थानीय लोगों से उनकी बहस भी हुई। इसके बावजूद वे लूट का सामान लेकर फरार हो गए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी : स्वदेशी का संकल्प और राष्ट्र निर्माण के प्रेरक

परिश्रम में जो तपा है, उसने ही तो इतिहास रचा है, जिसने फौलादी चट्टानों को तोड़ा है, उसने ही समय को मोड़ा है, समय को मोड़ देने का भी यही समय है, सही समय है।

यह उद्घोष करने वाले हमारे प्रेरक, मार्गदर्शक और भारत निर्माण के दृष्टा यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को उनके जन्मदिवस पर अनंत शुभकामनाएं। हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री जी आज इस विशेष दिवस पर मध्यप्रदेश आ रहे हैं। उनकी इस यात्रा से प्रदेश को एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। वे धार जिले के भैंसोला ग्राम में देश के पहले 'पीएम मित्र पार्क' की आधारशिला रखेंगे। इसके साथ ही वे 'स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार और पोषण अभियान' तथा 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े का शुभारंभ करेंगे। मैं प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता के साथ प्रधानमंत्री जी का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करता हूँ। प्रधानमंत्री जी का संपूर्ण जीवन परिश्रम, पुरुषार्थ और सेवा के प्रेरणादायी संकल्प की यात्रा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माध्यम से राष्ट्र और समाज सेवा का संकल्प लेकर उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन की यात्रा आरंभ की, जो प्रधानमंत्री के रूप में भी ध्येयनिष्ठ रही है। उनके लिए राष्ट्र प्रथम और सर्वोपरि है। यह उनके राष्ट्र निर्माण और देशहित में लिए गए निर्णयों और नेतृत्व क्षमता का ही परिणाम है कि आज भारत की गणना विश्व के अग्रणी राष्ट्रों में हो रही है। उनके प्रत्येक निर्णय में राष्ट्र की नींव को सशक्त करने की झलक है। कश्मीर में धारा 370 को समाप्त करना और उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद श्रीरामलला को अपने जन्म स्थान अयोध्या में प्रतिष्ठित करने में उनकी पहल अविश्वसनीय है। उन्होंने एक राष्ट्र, एक पहचान के लिए विभाजनकारी प्रवृत्तियों को समाप्त किया और समाज में एकत्व का भाव स्थापित किया। उनका दूरदर्शी नेतृत्व आधुनिक भारत को आत्मनिर्भर, सुरक्षित, समृद्ध और सांस्कृतिक रूप से गौरवशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर प्रेरित कर रहा है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि उनके मार्गदर्शन में जनकल्याण, आर्थिक सुदृढ़ीकरण, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भारत को अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं।

प्रधानमंत्री के रूप में दायित्व संभालते ही सबसे पहले उन्होंने देशवासियों के स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छता अभियान छेड़ा। वे स्वयं हाथ में झाड़ू लेकर दिल्ली के प्रगति मैदान पहुँचे। गांव-गांव में स्वच्छता अभियान चलाया गया। प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर मध्यप्रदेश की जनता भी इस अभियान में जुट गई और गांव से लेकर नगर तक स्वच्छता अभियान में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य बना। इंदौर ने लगातार 8 बार देश में स्वच्छ शहर के रूप में प्रथम स्थान प्राप्त किया। श्री मोदी जी ने आम नागरिक को आधुनिक चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए आयुष्मान भारत योजना शुरू की, जिससे गरीब और असहाय परिवारों को उपचार में सहायता मिली। इस योजना से 40 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो रही हैं। मुझे यह बताते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि श्री मोदी जी ने भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। जब उन्होंने कार्यभार संभाला था तब भारत विश्व की ग्यारहवीं अर्थव्यवस्था था। केवल ग्यारह वर्षों में भारत चौथे स्थान पर पहुंचा और अब तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। तेल आयात, व्यापार, रक्षा उत्पादन और तकनीकी नवाचार में भारत ने नई मिसाल कायम की है। आयुध निर्यातक देश के रूप में भी भारत ने अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया। स्पेस टेक्नोलॉजी में भारत ने चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर तिरंगा फहराकर विश्व को चकित कर दिया और विज्ञान तथा तकनीक में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। मुझे विश्वास है कि प्रदेश के कपास उत्पादक क्षेत्र में टैक्सटाइल उद्योग के लिए स्थापित होने वाला पीएम मित्र पार्क प्रधानमंत्री जी की स्वदेशी की संकल्पना को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रदेश को मिलने वाले इस आशीर्वाद से हम सभी अभिभूत हैं। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका कल्याण करने वाले युगदृष्टा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को पुनः जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ...।

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री मप्र

सदस्यों ने लगाया फंड के दुरुपयोग का आरोप

पुलिस की मौजूदगी में कोरल वुड्स सोसायटी की एजीएम में भारी हंगामा

सुनील भंडारी, भोपाल

कोरल वुड्स सोसायटी में चल रहे विवाद के बीच नियमों को ताक पर रखकर बुलाई गई वार्षिक साधारण सभा एजीएम में भरी हंगामा हुआ। सदस्यों के विरोध को दबाने के लिए प्रशासक ने पुलिस को बुला लिया। पुलिस के दखल से स्थिति और बिगड़ गई। सदस्यों का कहना है कि सहकारिता विभाग द्वारा नियुक्त प्रशासक सपना गुहा द्वारा पिछले 6 महीनों से समस्याओं को नजरअंदाज कर रही हैं और जब लोग शिकायत करने ऑफिस जाते हैं तो उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। विशेष रूप से बुजुर्गों से दुर्व्यवहार के आरोप लगते हुए सदस्यों ने शेम -शेम के नारे लगाए।

सभा की शुरुआत के उद्बोधन से हुई। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों के खातों का ऑडिट हो चुका है। लेकिन ऑडिटेड अकाउंट सदस्यों को अभी तक भी नहीं दिए जाने की बात सामने आई है। प्रशासक द्वारा यह भी बताया गया कि आईएफएमएसडी की राशि और उसे प्राप्त ब्याज की राशि को खर्च किया गया है तो सदस्यों ने इस बात का विरोध यह कहते हुए किया कि आईएफएमएसडी की राशि

व उससे प्राप्त ब्याज को खर्च करना नियम विरुद्ध है। प्रशासक द्वारा सख्त लहजे में कुछ सदस्यों द्वारा की जा रही वीडियो रिकॉर्डिंग को बंद कराने की कोशिश की गई। एजीएम की सूचना प्रशासक द्वारा 4 दिन पहले दी गई और 2 दिन पहले एजेंडा सूची एवं वित्तीय विवरण लेखापाल द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप पर साझा की गई । ध्यान दें कि सूचना बायलॉज अनुसार प्राप्त नहीं हुई और वित्तीय विवरण बिना ऑडिट और बिना पदाधिकारियों (अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष) के हस्ताक्षर की हैं, अतः उनकी प्रामाणिकता संदिग्ध है।

प्रशासक द्वारा इस बात की भी पुष्टि की गई कि उनको अभी तक पुराने रिकॉर्ड नहीं मिले हैं। रिकॉर्ड उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी जिन लेखपाल की थी , वह वहीं मौजूद थे । अब सवाल यह है कि प्रशासक ने पुराने रिकॉर्ड प्राप्त करने के लिए क्या कानूनी कार्रवाई की है। इसका कोई भी जिक्र नहीं किया गया। सदस्यों ने सर्वसम्मति से एजेंडा में शामिल पूंजीगत व्यय जैसे 50 लाख रुपए पुताई पर खर्च करना, लाखों रुपए खर्च करके सोलर पैनल लगवाना आदि अस्वीकृत करते हुए इस बात पर जोर दिया कि शीघ्र समिति के चुनाव करा कर नई प्रबंध समिति के द्वारा सदस्यों की सहमति से इस तरह के निर्णय लिए जाएं। वैसे भी सहकारिता समिति अधिनियम 1960 के तहत प्रशासन को को केवल समिति के संचालन का ही अधिकार है। वे केवल संचालन से संबंधित कामों पर ही राशि खर्च कर सकते हैं।

मेंटेनेंस राशि वृद्धि के प्रस्ताव को सदस्यों द्वारा भारी विरोध के साथ अस्वीकृत कर दिया गया। जब तक कि पिछले तीन सालों के हिसाब की पूरी जानकारी नहीं दी जाएगी तब तक कोई वृद्धि नहीं होगी। सदस्यों द्वारा इस बात को भी प्रमुखता से उठाया गया कि जो आंकड़े दिए गए हैं उनमें 85 लाख रुपए का हिसाब नहीं मिल रहा है। मुख्य रूप से सीसीटीवी कैमरा, इंटरकॉम फोन, सिविल वर्क, मटेरियल खरीदी इत्यादि पर नियम विरुद्ध किए गए खर्चों पर भारी विरोध दर्ज कराते हुए जांच की मांग की गई।

नवरात्र में लोगों के घर का सपना होगा पूरा

पंजीयन विभाग ने कर्मचारियों को तैयारी के दिए निर्देश

भोपाल. दोपहर मेट्रो

राजधानी में नवरात्र में संपत्तियों की खरीद-फरोत अब तक के सारे रेकॉर्ड्स तोड़ देगी। यह भोपाल में बढ़ती संपन्नता का नया पैमाना बनेगी। पंजीयन विभाग को राजस्व शाखा से मिले इनपुट के अनुसार नवरात्र में करीब 8000 हजार संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन होने की उमीद है। यह आंकड़ा बीते साल से लगभग दोगुना है। बीते साल नवरात्र में रोजाना 400 के करीब रजिस्ट्रियों के हिसाब से नौ दिन 3700 रजिस्ट्रियां हुई थीं। रियल सेगमेंट में अच्छी ग्रोथ देखने को मिल रही है। ऐसे में उमीद है कि अक्टूबर यानी दिवाली के पहले तक शहर में करीब 24 हजार रजिस्ट्रियां हो सकती हैं। सबके घर का सपना पूरा करने के लिए बिल्डर्स और प्रमोटर्स ने भी तैयारियां की हैं।

कर्मचारियों के अवकाश रद्द: जिला पंजीयन व प्रशासन ने सभी तीनों पंजीयन कार्यालयों के सब रजिस्ट्रार से लेकर प्रभारी रजिस्ट्रार व कर्मचारियों को अवकाश नहीं लेने और काम में तेजी के निर्देश दिए हैं। सर्वर से लेकर सिस्टम तक को अपडेट किया गया है, ताकि लोड में सर्वर में दिक्कत न आए। इसके लिए अतिरिक्त एक्सपर्ट्स को नियुक्त किया गया है। कोलार और नीलबड़ की तरफ भी खूब आवासीय प्रोजेक्ट आ रहे हैं।

सितंबर का पहला सप्ताह ठंडा

सितंबर माह का पहला सप्ताह अपेक्षाकृत ठंडा रहा। आठ दिनों में महज 2528 पंजीयन हुए। पंजीयन विभाग को 38 करोड़ की कमाई हुई। पितृपक्ष में अब इसके बढ़ने की उमीद है। इस बार नवरात्र में पंजीयन ज्यादा होने की उमीद है। इसके लिए विभाग की विशेष तैयारी है। संपदा 2.0 पर काम हो रहा है। पोर्टल से जुड़े अपडेटेशन का काम भी पूरा किए जा रहे हैं।

करोद में रुझान की ये वजह

राजधानी में करोद और नीलबड़ की तरफ लोग ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं। करोद के आगे से कोकता तक तेजी से विकास हो रहा है। इसकी वजह करोद तक मेट्रो के काम को माना जा रहा है। दूसरे कोकता में अपेक्षाकृत सस्ते प्रोजेक्ट लोगों को लुभा रहे हैं।

सौदे हो रहे, पंजीयन शुभ दिनों में होंगे

पंजीयन अफसरों का कहना है कि हर दिन लोग बड़ी संया में सौदे कर रहे हैं, उन्हें पंजीयन के लिए शुभ दिनों का इंतजार है। नवरात्र में स्लॉट बुकिंग की तैयारियां की जा रही हैं।

नियमितीकरण की मांगों को लेकर अतिथि शिक्षकों ने किया प्रदर्शन

प्रदेशभर से भोपाल में जुटे अतिथि शिक्षक, जमकर नारेबाजी की

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नियमितीकरण, अवकाश समेत अलग-अलग मांगों को लेकर मंगलवार को प्रदेशभर से राजधानी भोपाल में जुटे अतिथि शिक्षकों ने प्रदर्शन किया।?राजधानी के तुलसी नगर स्थित आंबेडकर पार्क में प्रदर्शन के दौरान अतिथि शिक्षकों ने जमकर नारेबाजी की।

यह प्रदर्शन गुरु दक्षिणा कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया, जिसका उद्देश्य सरकार का ध्यान अतिथि शिक्षकों की समस्याओं की ओर आकर्षित करना था। अतिथि शिक्षकों को कहना है कि सरकार लाड़ली बहनों को फ्री में करोड़ों रुपए बांट रही है, लेकिन हम अतिथि शिक्षक मेहनत करते हैं और मेहनत के बदले सुविधा मांग रहे हैं तो नहीं दी जा रही है। जिस प्रकार पूर्व में गुरुजी शिक्षकों को नियमित किया गया था, उसी तर्ज पर अतिथि शिक्षकों के लिए भी एक स्पष्ट नीति बनाकर उन्हें स्थायीत्व प्रदान किया जाए। महिला अतिथि शिक्षक ने कहा कि 2007 से आज तक अतिथि शिक्षक के रूप में काम कर रहे हैं। अतिथि शिक्षकों की स्थिति मजदूरों से बदतर है। हमारे पढ़ाए बच्चे आज आफिसर बन रहे हैं और सेना तथा अन्य स्थानों पर ऊंचे पदों पर हैं, जबकि हम संघर्ष ही कर रहे हैं।

अतिथि शिक्षक समन्वय संघ के प्रतिनिधि सुनील सिंह परिहार ने कहा कि इस आयोजन में प्रदेश भर से अतिथि शिक्षक शामिल हुए हैं। संघ की ओर से स्कूल शिक्षा मंत्री को एक प्रस्ताव सौंपा जाएगा, जिसमें मुख्य रूप से निम्न मांगें रखी जाएंगी। अतिथि शिक्षकों के अनुसार, इस कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह को भी आमंत्रित किया गया था, जिनके समक्ष अतिथि शिक्षक अपनी मांगें रखने वाले थे। हालांकि मंत्री इस कार्यक्रम में नहीं पहुंचे।

बारिश थमी तो पारा भी बढ़ा...

भोपाल. राजस्थान, गुजरात सहित पड़ोसी राज्यों से मानसून की विदाई भी शुरू हो गई है, लेकिन भोपाल से मानसून की विदाई अक्टूबर के पहले सप्ताह में ही होने की उम्मीद जताई जा रही है। दस साल की बात करें तो शहर से मानसून की विदाई अक्टूबर माह में ही हुई है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार भी अक्टूबर के पहले सप्ताह में शहर से मानसून विदा होने की उम्मीद है।मौसम विभाग का कहना है आने वाले दिनों में भी ज्यादा तेज बारिश के आसार नहीं है। मंगलवार को धूप के चलते तापमान में तेजी से बढ़ोतरी हुई। अधिकतम तापमान 33.5 और न्यूनतम 23 डिग्री दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान में जहां 2.5 डिग्री की बढ़ोतरी हुई वहीं न्यूनतम में 1.6 डिग्री की गिरावट आई।

सरकारी स्कूल के 50 विद्यार्थी उद्यमशीलता का लेंगे प्रशिक्षण

22 से उद्यमशीलता रोमांच शिविर में शामिल होंगे

भोपाल. दोपहर मेट्रो

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 50 मेधावी विद्यार्थी 22 सितम्बर से उद्यमशीलता रोमांच शिविर में शामिल होंगे। यह शिविर भोपाल के श्यामला हिल्स स्थित एनसीईआरटी परिसर के पं. सुंदरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षण संस्थान में 26 सितम्बर तक आयोजित होगा। इन विद्यार्थियों का चयन जिला स्तर पर आयोजित वोकेशनल स्किल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। उद्यमशीलता रोमांच शिविर कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिये विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। इस शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों में नवाचार, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और उद्यमशील सोच को विकसित करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में विद्यार्थियों में व्यावसायिक शिक्षा के विस्तार की सिफारिश की गई है। स्कूल शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा देने के विस्तार किया है।

यह होंगी शिविर की गतिविधियां

उद्यमशीलता रोमांच शिविर में समूह गतिविधियां, सिमुलेशन गेम्स, इस गेम्स के माध्यम से बच्चों को व्यावसायिक मॉडल के माध्यम से नये विचार देने, निर्णय लेने और पूर्वानुमान की क्षमता को विकसित किया जाता है। शिविर में हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम से विभिन्न सत्रों में बच्चों को जानकारी दी जायेगी। बच्चों में आत्मनिरीक्षण की प्रवृत्ति को बढ़ाने लक्ष्य निर्धारण और जीवन कौशल विकास के लिये विशेष जानकारी दी जायेगी। यह शिविर बच्चों को राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगा, जहां वे अपने विचारों को परिष्कृत करके स्वयं का उद्यम लगाने के लिये प्रोत्साहित होंगे।

भाषा की शुचिता संवर्धन में आकाशवाणी की महत्वपूर्ण भूमिका - राजेश भट्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भाषा की शुचिता संस्कार सुरक्षा और संवर्धन में आकाशवाणी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, रेडियो की पहुंच आज भी आम लोगों दुर्गम क्षेत्रों तक है, भाषा को सुधारना हो तो रेडियो सुनना चाहिए आकाशवाणी आज भी एक सशक्त और प्रभावी संचार माध्यम है जिसने बदलते समय के साथ भाषा में आई विकृतियों से स्वयं को बचाकर रखा है। यह उदगार हैं आकाशवाणी भोपाल के निदेशक राजेश भट्ट जी के जो स्किल इंडिया लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा 'निज भाषा उन्नति अहै' के अंतर्गत आयोजित राजभाषा पखवाड़े के तीसरे दिन आयोजित ऑन लाइन गूगल गोष्ठी में 'हिंदी का श्रव्य माध्यम आकाशवाणी' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। कार्यक्रम के आरम्भ में स्वागत उद्बोधन लघुकथा शोध केंद्र समिति की ओर से सचिव घनश्याम मैथिल अमृत ने दिया। डॉ ममता माली एवं चित्रा राघव राणा के कुशल एवं सरस संचालन में एक अन्य वक्ता आकाशवाणी की आर्टिस्ट डॉ संगीता राउत (नागपुर) ने अपने विचार रखते हुए कहा कि आकाशवाणी की आम आदमी तक पैठ उसे दूसरे माध्यमों से श्रेष्ठ बनाती है आम आदमी के मन की बात करने वाला माध्यम रेडियो ही है आज युवा भी आकाशवाणी से जुड़ रहे हैं, भाषा को विकसित करने रोजगार सृजित करने में भी रेडियो का बड़ा योगदान है। कार्यक्रम में उपस्थित श्रोताओं में। रेडियो से जुड़े प्रश्न और जिज्ञासाएं प्रकट की जिनके जनाब आकाशवाणी भोपाल के निदेशक राजेश भट्ट ने दिए। कार्यक्रम के अंत में केंद्र की निदेशक कांता रॉय ने उपस्थितजनों का आभार प्रकट किया।

पिछड़ा वर्ग आयोग का कार्यकाल 6 माह बढ़ाया

भोपाल। राज्य शासन ने मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के कार्यकाल में छह माह की वृद्धि कर दी है। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार आयोग का कार्यकाल सितंबर 2025 से बढ़ाकर अब फरवरी 2026 तक कर दिया गया है।

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान का आज से आगाज

भोपाल। नगर निगम 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा मनाएगा। 'स्वच्छोत्सव' थीम पर आधारित इस 15-दिवसीय अभियान में स्वच्छता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

मेट्रो एंकर | मंत्री परमार ने डिजिटल यूनिवर्सिटी की स्थापना के सम्बन्ध में की बैठक

समग्र अध्ययन के बाद डिजिटल यूनिवर्सिटी का ब्लू प्रिंट करें तैयार- मंत्री इन्दर परमार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर परमार ने मंगलवार को मंत्रालय स्थित प्रतिपक्ष में डिजिटल यूनिवर्सिटी की स्थापना के सम्बन्ध में बैठक ली। बैठक में डिजिटल यूनिवर्सिटी स्थापित करने को लेकर विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। मंत्री परमार ने नेशनल डिजिटल यूनिवर्सिटी एवं इसी प्रकार कार्य कर रहे अन्य यूनिवर्सिटी के बारे में विस्तृत अध्ययन करने के उपरांत, राज्य के लिये एक डिजिटल यूनिवर्सिटी स्थापित करने का ब्लू प्रिंट तैयार करने के लिए निर्देशित किया। मंत्री परमार ने राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप, उनसे संबंधित समस्त प्रक्रिया को डिजिटाइज करने के लिये निर्देशित किया। विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में आंतरिक मूल्यांकन को डिजिटाइज करने के लिये भी निर्देशित किया। इसी अनुक्रम में अगली बैठक में डिजिटल यूनिवर्सिटी के एक्ट पर कुलसचिव राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को प्रस्तुतीकरण के निर्देश दिये गये। बैठक में प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मनीष सिंह, आयुक्त तकनीकी शिक्षा अवधेश शर्मा एवं कुलसचिव राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय डॉ. मोहन सेन और अधिकारी उपस्थित रहे।

देश में परिवर्तन लाना है तो शिक्षा में परिवर्तन लाना होगा: शंकरानंद

भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय विस्तारक वर्ग का समापन

भोपाल। विकसित भारत 2047 का संकल्प पूर्ण करने के लिए अब 22 वर्ष ही बचे हैं। इसके लिए हमें समयदान और वैचारिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। यह बात भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संगठन महामंत्री बी. आर. शंकरानन्द ने भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय विस्तारक वर्ग के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। मंच पर प्रांत व्यवस्था प्रमुख एवं वर्गाधिकारी अरविंद सिंह चौहान भी उपस्थित रहे। आइसर भोपाल के परिसर में 9 सितंबर से 16 सितंबर तक यह विस्तारक वर्ग आयोजित किया गया। शंकरानन्द ने आगे कहा कि विस्तारकों को अपने कार्य, व्यक्तित्व और संगठन क्षमता से उदाहरण बनना होगा, क्योंकि समाज बड़े उदाहरणों का ही अनुकरण करता है। देश में परिवर्तन लाना है तो शिक्षा में परिवर्तन लाना होगा, इसके लिए ऐसे ऋषियों की आवश्यकता है जो राष्ट्र के लिए तप करने को तैयार हों। शिक्षक जब तक स्वयं नहीं तपता तब तक समाज परिवर्तन संभव नहीं है। भारत सदैव ऐसे तपोनिष्ठ कार्यकर्ताओं के उदाहरणों से भरा है, इसलिए भारत जीवित है।

28 विस्तारकों ने सात दिन लिया प्रशिक्षण: वर्गाधिकारी अरविंद सिंह चौहान ने वर्ग की व्यवस्थाओं के संबंध में बताते हुए कहा कि विस्तार और कार्यकर्ता का आत्मीय संबंध होता है। सात दिन के इस वर्ग में सभी को यह आत्मीय अनुभव हुआ है। वर्ग में देशभर के 28 विस्तारक सम्मिलित हुए। इस वर्ष 8 नए विस्तारक संगठन कार्य को मजबूती देने के लिए निकले हैं। सात दिनों तक वर्ग में इन्हें अलग अलग सत्रों में बौद्धिक, शारिरिक एवं अन्य गतिविधियों का शिक्षण दिया गया।

सत्यमेव जयते

लक्ष्य हमारा जनकल्याण
जन-जन का उत्थान

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी

सेवा ही संकल्प,
राष्ट्र प्रथम ही प्रेरणा...
75 वर्ष

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

शुभारंभ
स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान

लोकार्पण
सुमन सखी चैटबॉट

शिलान्यास
पीएम मित्र पार्क, धार

तथा

8वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के 10 लाख हितग्राहियों को किस्त का अंतरण

आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत 'आदि सेवा पर्व' का शुभारंभ

'एक बगिया माँ के नाम' अभियान अंतर्गत पौध वितरण

एक करोड़वें सिकल सेल स्क्रीनिंग काउंसलिंग कार्ड का वितरण

प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
के कर कमलों द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

17 सितम्बर 2025 | पूर्वाह्न 11:00 बजे | पीएम मित्र पार्क, जिला धार

सीधा प्रसारण http://pmindiawebcast.nic.in DD News @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी D-11103/25 आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

दूर होंगी वक्फ कानून पर आशंकाएं

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन अधिनियम पर रोक नहीं लगाई, लेकिन उसके कुछ प्रावधानों में संशोधन किया है या उन्हें रोका है। शीर्ष अदालत का फैसला पूरी तरह तार्किक है, जिसमें संतुलन का पूरा ध्यान रखा गया है। उम्मीद है कि इस फैसले से वे आशंकाएं दूर हो जाएंगी, जो इस नए कानून को लेकर जताई जा रही थीं।

संविधान के अनुरूपः सुप्रीम कोर्ट की ओर से किए गए संशोधन महत्वपूर्ण और जरूरी हैं। इनमें संविधान की भावनाओं का ख्याल रखा गया है। एक अहम संशोधन यह है कि शीर्ष अदालत ने वक्फ संपत्ति जांच के प्रावधानों पर आंशिक रूप से रोक लगा दी। नामित अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर ही किसी प्रॉपर्टी को गैर-वक्फ नहीं माना जा सकता।

शक्ति का संतुलनः अदालत ने संपत्ति अधिकार तय करने की ताकत जिलाधिकारी को देने को संविधान में की गई व्यवस्था-शक्ति के पृथक्करण के सिद्धांत के खिलाफ माना। यह व्यवस्था इसलिए की गई है, ताकि लोकतंत्र के तीनों अहम अंगों-विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच शक्ति का संतुलन बना रहे। एक पक्ष की ओर पलड़े का थोड़ा भी झुकाव व्यवस्था के संतुलन को बिगाड़ देगा। किसी एक ही अंग में सारी शक्तियां इसलिए भी निहित नहीं हैं, ताकि उसे निरंकुश होने से रोका जा सके।

संवेदनशीलता की जरूरतः इसी तरह, वक्फ करने के लिए न्यूनतम 5 बरसों तक इस्लाम का अनुयायी होने के प्रावधान पर तब तक रोक रहेगी, जब तक राज्य सरकारें इसके सत्यापन के लिए नियम नहीं बना लेतीं। देश में धर्म व्यक्तिगत मामला है और यह जरूरी नहीं कि कोई नागरिक अपनी धार्मिक पहचान का सार्वजनिक प्रदर्शन करे। तो यह तय करना कि कोई किसी धर्म को कब से मान रहा है, बेहद जटिल है। राज्य सरकारों से उम्मीद है कि इस बारे में नियम बनाते समय वे सभी पहलुओं का ध्यान रखेंगी और ज्यादा संवेदनशीलता बरतेंगी।

जिम्मेदारी भरा निर्णयः वक्फ संशोधन अधिनियम के कई बिंदुओं पर विपक्ष को गहरी आपत्ति थी। इसे लेकर दोनों सदनों में और सड़क पर भी काफी हंगामा हुआ। इस मामले की गंभीरता और उसके असर को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट का फैसला जिम्मेदारी भरा है। याचिका में पूरे कानून को रद्द करने की मांग की गई थी, लेकिन शीर्ष अदालत ने इसे नहीं माना। इस तरह के कदम बेहद दुर्लभ मामलों में उठाए जाते हैं और इनका प्रभाव बहुत व्यापक होता है। इस मायने में सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक विवेक का इस्तेमाल किया, और यह भी ध्यान रखा कि विधायिका के साथ सीमाओं का अतिक्रमण न हो।

सुविचार

जिंदगी को सफर मानो तो मौज है, वरना समस्या तो रोज है।

– अज्ञात

निशाना

लगे दाग इतने छुटाए न छूटे..!

राम कुमार चतुर्वेदी

सजीले सपनों को सजाकर चलें हैं,
सहेजे अगन मन में, बसा कर चले हैं ,
उन्हें आज लगता,ज़माना भला सा,
हमें लोभ देकर, मनाकर चले हैं,
किसे याद रहता है,चुनावी तराना,
हमें गीत अपना सुनकर चले हैं,
करे कोल काला,किए खूब घाला,
सगे मुंह काला, कराके चले हैं ,
वतन खोर करते,दलाली वतन की,
तिरंगा वतन का ,जला के चले हैं ,
गजब के गुणी हैं ,गुणी को गिराएं,
सभी जीत पक्की ,बताकर चले हैं,
खबर ये शहर में,पता चल गई तो,
दवा मर्ज की वे,पिलाकर चले हैं,
लगे दाग इतने ,छुटाए न छूटे,
धुले दूध के वे,बताकर चले हैं।

आज का इतिहास

- 1176 बीजान्टिन-सेल्जुक युद्ध-सेल्जुक तुर्क ने बीजान्टिन को फ्रागिया में मायरोकेफेलोन के युद्ध में अनातोलिया के इंटीरियर को लेने से रोक दिया।
- 1595 पोप क्लेमेंस अष्टम ने हेनरी चतुर्थ को राजा के रूप में मान्यता दी।
- 1598 नीदरलैंड के नाविकों ने मॉरीशस की खोज की।
- 1630 मैसाचुसेट्स बे कॉलोनी के पुरीस्तानों ने बोस्टोन शहर की स्थापना की।
- 1716 फ्रांसीसी सैनिक जीन थ्युरेल ने 17 साल की उम्र में रेजिमेंट डीटॉइन में भर्ती हुए, 90 साल की सैन्य सेवा के कैरियर की शुरुआत की।
- 1737 जॉर्ज-अगस्त विश्वविद्यालय गौटिंगेन में खोला गया।
- 1787 फिलाडेल्फिया में संवैधानिक सम्मेलन द्वारा संयुक्त राज्य का संविधान अपनाया गया।
- 1809 फिनिश युद्ध में रूस और स्वीडन के बीच हामिना की शांति संधि पर हस्ताक्षर किए गए।
- 1849 अमेरिकी गुलाम हैरियट टूबमैन बच गए; वह nd उंडरग्राउंड रेलमार्ग 'के माध्यम से 70 से अधिक अन्य दासों के अवशेषों की परिक्रमा करने वाली प्रसिद्ध हो जाएंगी।
- 1859 असहाय राज्यों की कानूनी और राजनीतिक संरचनाओं से असंतुष्ट, जोशुआ नॉर्टन ने खुद को सम्राट नॉर्टन घोषित करते हुए, विभिन्न समाचार पत्रों सैन फ्रांसिस्को के लिए पत्र वितरित किए।
- 1864 अमेरिकन सिविल वॉरः ग्रांट ने शेरिन्डा घाटी अभियान के लिए शेरिडन की योजना को मंजूरी दी गयी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर विशेष

अब 75 के मोदीः सेवा का जीवन, जैसा मैंने देखा..

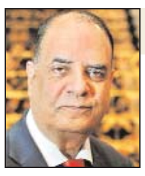

आलोक मेहता -लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

17 सितम्बर को भारत अपने 21वीं सदी के सबसे प्रभावशाली नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 75 वां जन्मदिन मना रहा है। 1950 में गुजरात के वडनगर में जन्मे मोदी की यात्रा एक छोटे कस्बे के चाय विक्रेता से लेकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री बनने तक, असाधारण और प्रेरणादायक है। यह जन्मदिन केवल व्यक्तिगत पड़ाव नहीं है, बल्कि 25 वर्षों के सतत शासन का प्रतीक भी है। पहले गुजरात के मुख्यमंत्री (2001-2014) और फिर भारत के प्रधानमंत्री (2014 से अब तक)। इन दशकों में मोदी ने शासन और राजनीति को नई दिशा दी, और राष्ट्रवाद, ईमानदारी तथा सामाजिक कल्याण की प्रतिबद्धता का प्रतीक बने। किशोरावस्था से ही नरेन्द्र मोदी में नेतृत्व, सेवा और दृढ़ता के गुण दिखाई देते थे। वे सार्वजनिक भाषणों में निपुण थे और गरीबों का जीवन सुधारने का संकल्प रखते थे। उनके लिए सत्ता और सफलता से अधिक मूल्यवान था अपने आदर्शों पर टिके रहना और संघर्ष करना। बहुत कम पत्रकार होंगे जिन्होंने उनके आरंभिक वर्षों को नज़दीक से देखा होगा। 1973 से 1976 के बीच हिंदुस्तान समाचार में संवाददाता रहते हुए मैंने गुजरात छात्र आंदोलन, कांग्रेस अधिवेशन और आपातकाल की घटनाओं को रिपोर्ट किया। आपातकाल के दौरान मोदी भूमिगत हो गए और आरएसएस तथा जनसंघ नेताओं के बीच संपर्क बनाए रखने, गुप्त सूचनाएँ पहुँचाने और वेश बदलकर अभियानों का नेतृत्व करने का काम किया। यहां तक कि समाजवादी नेता जॉर्ज फर्नांडिस भी गिरफ्तारी से पहले भेष बदलकर गुजरात आए और मोदी से सहयोग माँगा। सामान्यतः लोग सत्ता में साथ होते हैं और कठिन संघर्ष के समय दूरी बना लेते हैं, लेकिन नरेंद्र मोदी प्रारम्भ से संघर्ष , समस्या और दुःख में किसी अपेक्षा के बिना सहायता के लिए आगे आते रहे। उस समय मोदीजी के छोटे भाई पंकज मोदी हिंदुस्तान समाचार कार्यालय में मेरे साथ कार्यरत थे। उनसे और ब्यूरो प्रमुख भूपत परिख से हुई चर्चाओं से पता चलता था कि मोदी बचपन से ही सामाजिक सेवा और लेखन में निपुण रहे हैं। साधना पत्रिका के संपादक विष्णु पंड्या से भी उन्हीं दिनों मेरा भी परिचय हुआ था। साधना में नरेंद्र मोदीजी के लेख छपते थे। उन्होंने कभी - कभी कविताएं भी लिखी। बाद में अपने अनुभवों और विचारों की पुस्तकें भी लिखी। इस तरह लेखन और पत्रकारिता के प्रति लगाव और सम्मान सदा रहा। हाँ, मुख्यमंत्री तथा प्रधान मंत्री रहते हुए पत्रकारों के साथ संबंधों को लेकर अलग अलग राय बनती रही, लेकिन शायद बहुत कम लोग इस बात पर ध्यान देते हैं कि गुजरात के ही दो पुराने प्रमुख अख़बारों ने लगातार उनके विरुद्ध समाचार , लेख प्रकाशित किए , लेकिन उन पर कभी कोई कार्रवाई नहीं की। उनका एक ही तरीका रहा कि पूर्वाग्रही आलोचकों से दूरी रखी जाए। जनता से सीधे संवाद और संचार साधनों का सही उपयोग कर अपनी बात करोड़ों लोगों को पहुंचाई जाए।

हिमालय जितना उन्हें प्रिय है, उतनी ही गहरी आत्मीयता नर्मदा नदी से है। मेरी खुद की पृष्ठभूमि उज्जैन-इंदौर-ओंकारेश्वर से जुड़ी रही और 1973 से नर्मदा विवादों और सांस्कृतिक महत्व पर लिखता रहा हूँ। इसी कारण मेरी और मोदी की इस विषय पर कई बार बातचीत हुई। जब मैंने नर्मदा पर पुस्तक लिखी, मोदीजी ने व्यस्तता के बावजूद उसकी पाण्डुलिपि पढ़कर सुन्दर भूमिका लिखी। बाद में भारत के सामाजिक बदलावों पर पहले तथा उनके कार्यकाल में हुए निर्णयों पर भी मेरी किताब के लिए विस्तृत संदेश लिखकर भेजा। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी उनकी पुस्तक पढ़ने की आदतें कम नहीं हुईं। वे देर रात तक पढ़ते हैं और विदेशी राष्ट्राध्यक्ष उन्हें दुर्लभ किताबें भेंट करते हैं। आशा है कि उनके नेतृत्व में भारत में पुस्तकालयों और पुस्तकों तक पहुंच को बढ़ावा मिलेगा।

2001 में जब मोदी मुख्यमंत्री बने, गुजरात भूकंप से तबाह था। बहुतों को शक था कि वे इस संकट को संभाल पाएंगे। लेकिन कुछ ही वर्षों में गुजरात को आदर्श राज्य कहा जाने लगा।ज्योति ग्राम योजना से गाँवों को 24 घंटे बिजली मिली। जल प्रबंधन से सूखा-ग्रस्त क्षेत्रों में कृषि पुनर्जीवित हुई। वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलनों से राज्य निवेश का केंद्र बन गया। इन सम्मेलनों में देश विदेश के शीर्ष पूंजीपतियों के अलावा विदेशी मंत्री राजनयिक भी आए। बुनियादी ढाँचा, उद्यमिता और सुशासन पर ध्यान देकर उन्होंने गुजरात मॉडल खड़ा किया, जिसने उन्हें राष्ट्रीय नेता बनाया।

2014 तक देश परिवर्तन की तलाश में था। मोदी का अभियान विकास और राष्ट्रवाद का संगम था। उनका नारा सबका साथ, सबका विकास जन-जन तक पहुँचा। उस चुनाव में भाजपा को 30 वर्षों बाद पूर्ण बहुमत मिला और भारत ने नई दिशा व नई नेतृत्व शैली को स्वीकारा। 75 वर्ष की आयु में भी मोदी का परिचय अटूट राष्ट्रवाद से है। धारा 370 हटाना, सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयरस्ट्राइक और आतंकवाद के खिलाफ सिन्दूर ऑपरेशन जैसे कदमों ने भारत की रणनीतिक स्थिति बदल दी। उन्होंने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को भी नई पहचान दी। काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्निर्माण, अयोध्या में राम मंदिर का नेतृत्व, और भारत की सभ्यतागत अस्मिता को सुदृढ़ करना उनके प्रयासों के उदाहरण हैं।

मोदी सरकार की सबसे बड़ी विशेषता है योजनाओं की सीधी और पारदर्शी पहुँच । जन धन योजनाः 50 करोड़ से अधिक खाते खुले। उज्जवला योजनाः महिलाओं को रसोई गैस मिली। स्वच्छ भारत मिशनः 10 करोड़ शौचालय बने।आयुष्मान भारतः 50 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य बीमा।पीएम किसानः किसानों को सीधे आय हस्तांतरण। इन योजनाओं ने करोड़ों परिवारों का जीवन बदला है। मोदी ने भारत को उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित किया। 2023 की जी-20 अध्यक्षता में उनका नेतृत्व सराहा गया। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और आत्मनिर्भर भारत जैसे दृष्टिकोण ने भारत को वैश्विक एजेंडा तय करने वाली शक्ति बना दिया। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत का प्रदर्शन कई विकसित देशों से बेहतर रहा। उनकी कूटनीति ने पाकिस्तान को अलग-थलग किया और इस्लामी देशों का समर्थन भारत के पक्ष में लाया।

सत्ता के शिखर पर पहुँचने के बाद भी मोदी की व्यक्तिगत सादगी उनकी पहचान है। वे परिवारवाद से दूर हैं, योगाभ्यास करते हैं, लंबे समय तक काम करते हैं और अनुशासित जीवन जीते हैं। मन की बात, सोशल मीडिया और विशाल जनसभाएँ उन्हें जनता से सीधे जोड़ती हैं।2024 में उन्होंने तीसरी बार चुनाव जीता और 2029 में चौथी बार प्रधानमंत्री बनने की योजना की बात भी कही है। उनका लक्ष्य 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। 1950 में जन्मे मोदी तब 97 वर्ष के होंगे, लेकिन उनके लिए उम्र केवल एक संख्या है। उनका मंत्र है—जब हम ठान लेते हैं, तो मीलों आगे निकल जाते हैं।

भारत जब नरेन्द्र मोदी का 75वां जन्मदिन मना रहा है, तब वेद की यह वाणी स्मरणीय हैः जीवेत शरदः शतम्—हम सौ शरद ऋतु तक जिएं। राष्ट्र, समाज और सेवा को समर्पित इस नेता के लिए यह शुभकामना विशेष रूप से सार्थक है।

-लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

भारत की आर्थिक रफ्तार पर वैश्विक मुहर

■ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर दुनिया की प्रमुख आर्थिक एजेंसियां इन दिनों जिस तरह के अनुमान जारी कर रही हैं, वे भरोसा दिला रहे हैं और इस तथ्य को पुष्ट करते हैं कि भारत आज वैश्विक ग्रोथ का केंद्र बन चुका है। हाल ही में फिच रेटिंग्स ने भारत की जीडीपी ग्रोथ दर का अनुमान बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत कर दिया। यह पहले 6.5 प्रतिशत था। ऐसा कदम किसी भी देश के लिए बड़ी राहत और मजबूती का संकेत होता है। दिलचस्प बात यह है कि यह बढ़ोतरी उस समय आई है जब अमेरिका के साथ व्यापारिक तनाव को लेकर तमाम तरह की आशंकाओं के बीच फिर से दोनों नए सिरे से टैरिफ संवाद शुरू कर चुके हैं ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हों या उनके तमाम सहयोगियों के बयान जिनसे भारत की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास हुआ, लेकिन लोगों ने उन पर भरोसा नहीं किया है। अब फिच की ओर से किया गया ये जीडीपी ग्रोथ दर का अनुमान संशोधन ट्रंप की टिप्पणी का करारा जवाब माना जा रहा है। वस्तुतः फिच का ताजा अनुमान भारत की आर्थिक सेहत की गवाही है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी जनवरी-मार्च 2025 में जीडीपी ग्रोथ 7.4 प्रतिशत रही। इसके बाद अप्रैल-जून तिमाही में यह और तेज होकर 7.8 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह आंकड़ा फिच की पिछली भविष्यवाणी से कहीं बेहतर है। जून में एजेंसी ने 6.7 प्रतिशत ग्रोथ का अनुमान दिया था।

देखा जाए तो अब उसी को बढ़ाकर पूरे वित्त वर्ष के लिए 6.9 प्रतिशत कर दिया गया है। हालांकि फिच ने यह भी स्पष्ट किया है कि वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में ग्रोथ की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ सकती है। यही कारण है कि उसने 2026-27 के लिए वृद्धि दर का अनुमान 6.3 प्रतिशत और 2027-28 के लिए 6.2 प्रतिशत रखा है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि फिलहाल भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी पूरी क्षमता से कुछ ऊपर चल रही है। फिच का कहना है कि घरेलू मांग में तेजी भारत की अर्थव्यवस्था को सहारा दे रही है। आय बढ़ने से लोग ज्यादा खर्च कर रहे हैं। कंपनियां निवेश कर रही हैं। बुनियादी ढांचे में भारी पूंजी डाली जा रही है। सेवा क्षेत्र और सूचना प्रौद्योगिकी लगातार नई ऊंचाइयां छू रहे हैं। यही वजह है कि भारत फिलहाल दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने भी 2025-26 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.5 प्रतिशत लगाया है। केंद्रीय बैंक का मानना है कि घरेलू खपत और मजबूत कृषि उत्पादन इसकी मुख्य वजह होंगे। वैश्विक संस्थाएं भी भारत को लेकर सकारात्मक हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 2025-26 के लिए भारत की ग्रोथ दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। अब सवाल उठता है कि आखिर क्यों वैश्विक एजेंसियों का भरोसा भारत पर बढ़ रहा है? दरअसल इसके पीछे कई वजहें हैं। सबसे पहली है घरेलू मांग। भारत की जनसंख्या विशाल है और लगातार आय बढ़ रही है। लोग उपभोग पर खर्च कर रहे हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था ने भी इसमें नई रफ्तार दी है। यूपीआई और अन्य भुगतान प्रणालियों ने खपत का नया ढांचा खड़ा किया है। दूसरी वजह है सरकार का बुनियादी ढांचे पर जोर। सड़कों, रेल, बंदरगाहों और ऊर्जा क्षेत्र में भारी निवेश ने आर्थिक गतिविधियों को गति दी है। सेवा क्षेत्र और आईटी इंडस्ट्री ने भारत की वैश्विक छवि मजबूत की है। कुल मिलाकर भारत की आर्थिक कहानी उत्साहजनक है। यह ऐसी घड़ी है जब विकसित देश भी स्थिरता पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वहीं, भारत 6 से 7 प्रतिशत की मजबूत गति से बढ़ रहा है। यह स्थिति वर्तमान भारत की आर्थिक ताकत दर्शाती है। कहना होगा कि आज भारत उस मोड़ पर आ पहुंचा है जहां वह न केवल अपनी जनता की आकांक्षाओं को पूरा करता है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा दे रहा है।

-लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

निर्माण और शिल्पकला के देवता भगवान विश्वकर्मा

■ रमेश सर्राफ धमोरा

भगवान विश्वकर्मा को निर्माण एवं सृजन का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में इन्हें सृष्टि के दिव्य शिल्पकार, देवताओं के वास्तु विशेषज्ञ और पहले इंजीनियर के रूप में पूजा जाता है। विश्वकर्मा रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवाचार के प्रतीक हैं। उनके सम्मान में भाद्रपद मास की सूर्यकन्या संक्रांति पर विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। यह वह दिन है जब सूर्य सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करता है। इस दिन मजदूर, कारीगर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और उद्योगपति अपने औजारों और मशीनों की पूजा करते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चार युगों में विश्वकर्मा जी ने कई नगर और भवनों का निर्माण किया। विश्वकर्मा पूजा एक ऐसा त्योहार है जहां शिल्पकार, कारीगर, श्रमिक भगवान विश्वकर्मा का त्योहार मनाते हैं। कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निर्माता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है दुनिया का निर्माण करने वाला।

विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेठ ज्ञाता माने जाते हैं, जिन्होंने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होनें ही देवताओं के विमानों की रचना की। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है, जिसमें उन्हें ब्रह्मांड के निर्माता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिवलिंग की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं। विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तुतंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तुविद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं। विश्वकर्मा को सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी का वंशज माना गया है। ब्रह्माजी के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वास्तु देव थे। जिन्हें शिल्पशास्त्र का आदि पुरुष माना जाता है। इन्हीं वास्तु देव की अंगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा का जन्म हुआ। अपने पिता के पद चिह्नों पर चलते हुए विश्वकर्मा भी वास्तुकला के महान आचार्य बने। मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी और देवज्ञ इनके पुत्र हैं। इन पांचों पुत्रों को वास्तुशिल्प की अलग-अलग विधाओं में विशेषज्ञ मानाजाता है। पौराणिक साक्ष्यों के मुताबिक स्वर्ग लोक की इन्द्रपुरी, यमपुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, असुर राज रावण की स्वर्णनगरी लंका, भगवान श्रीकृष्ण की समुद्र नगरी द्वारिका और पांडवों की राजधानी हस्तिनापुर के निर्माण का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है। पौराणिक कथाओं में इन उत्कृष्ट नगरियों के निर्माण के रोचक विवरण मिलते हैं। ओडिशा का विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर तो विश्वकर्मा के शिल्प कौशल का अप्रतिम उदाहरण माना जाता है। विष्णु पुराण में उल्लेख है कि जगन्नाथ मंदिर की अनुपम शिल्प रचना से खुश होकर भगवान विष्णु ने उन्हे शिल्पावतार के रूप में सम्मानित किया था। महाभारत में पांडव जहां रहते थे उस स्थान को इंद्रप्रस्थ के नाम से जाना जाता था। इसका निर्माण भी विश्ववकर्मा ने किया था। कौरव वंश के हस्तिनापुर और भगवान कृष्ण के द्वारका का निर्माण भी विश्वणकर्मा ने ही किया था। सतयुग का स्वर्ग लोक, त्रेतायुग की लंका, द्वापर की द्वारिका और कलयुग के हस्तिनापुर आदि के रचयिता विश्वकर्मा जी की पूजा अत्यन्त शुभकारी है। सृष्टि के प्रथम सूत्रधार, शिल्पकार और विश्व के पहले तकनीकी ग्रन्थ के रचयिता भगवान विश्वकर्मा ने देवताओं की रक्षा के लिये अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण किया था। विष्णु को चक्र, शिव के त्रिशूल, इंद्र को वज्र, हनुमान को गदा और कुबेर को पुष्पक विमान विश्वकर्मा ने ही प्रदान किये थे। सीता स्वयंवर में जिस धनुष को श्रीराम ने तोड़ा था वह भी विश्वकर्मा के हाथों बना था। जिस रथ पर निर्भर रहकर श्रेष्ठ धनुर्धर अर्जुन संसार को भस्म करने की शक्ति रखते थे उसके निर्माता विश्वकर्मा ही थे। पार्वती के विवाह के लिए जो मण्डप और वेदी बनाई गई थी वह भी विश्वकर्मा ने ही तैयार की थी।

जयंती विशेष

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17 सितंबर, 2023 को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना प्रारंभ की थी। इसमें अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले कारीगरों और शिल्पकारों को संपूर्ण सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना में 18 व्यवसायों में लगे कारीगर और शिल्पकार शामिल हैं, जैसे बढ़ई, नाव निर्माता, कवचकार, लोहार, हथौड़ा और औजार बनाने वाला, ताला बनाने वाला, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार, पत्थर तोड़ने वाला, चर्मकार, जूते बनाने वाले, राजमिस्त्री, टोकरी,चटाई, झाड़ू बनाने वाला, बुनकर, गुड़िया और खिलौने बनाने वाला (पारंपरिक), नाई, माला बनाने वाला (मालाकार), धोबी, दर्जी और मछली पकड़ने के जाल बनाने वाले लोग शामिल हैं। पीएम विश्वकर्मा योजना में पीएम विश्वकर्मा प्रमाणपत्र और पहचान पत्र के माध्यम से मान्यता, कौशल सत्यापन के माध्यम से कौशल उन्नयन, बुनियादी कौशल, उन्नत कौशल प्रशिक्षण, उद्यमशीलता ज्ञान, 15,000 रुपये तक के टूलकिट प्रोत्साहन, तीन लाख रुपये तक की ऋण सहायता दी जाती है।

– लेखक स्वतंत्र स्तम्भकार हैं

सत्यमेव जयते

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

स्वास्थ्य परिदृश्य में बदलाव की पहल

महिलाओं के लिए चिकित्सा जांच और स्वास्थ्य योजनाओं तक आसान पहुंच

- ईएनटी, नेत्र, रक्तचाप, मधुमेह और दंत जांच
- कैंसर-मुख/स्तन/ग्रीवा
- गर्भवती महिलाओं के लिए प्रसव पूर्व जांच
- टीकाकरण सेवाएं/एनीमिया का स्तर
- मातृ एवं शिशु सुरक्षा (एमसीपी) कार्ड
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना नामांकन
- आयुष्मान वय वंदना कार्ड
- सिकल सेल कार्ड
- आभा आई.डी. कार्ड पंजीयन
- सेवाओं के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र या आंगनवाड़ी केन्द्र से सम्पर्क करें

सुमन सखी चैटबॉट

- महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान देखभाल, उच्च जोखिम कारकों की जानकारी
- स्वास्थ्य योजनाओं और सेवाओं की जानकारी
- 24x7 हिंदी भाषा में उपलब्ध, ग्रामीण एवं शहरी महिलाओं को लाभ

8 वां राष्ट्रीय पोषण माह

- चीनी और खाद्य तेल के सीमित सेवन पर जोर
- प्रारंभिक बचपन की देखभाल एवं शिक्षा (पोषण भी पढ़ाई भी)
- पोषण एवं बच्चों की देखभाल में पुरुषों की भागीदारी
- स्थानीय पौष्टिक खाद्य संसाधनों को बढ़ावा

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

- गर्भवती एवं धात्री माताओं को मिलने वाली आर्थिक मदद से उनके स्वास्थ्य और पोषण का ध्यान रखने में सहायता
- महिलाओं को जागरूक कर संस्थागत प्रसव को बढ़ावा
- 18 जुलाई 2025 तक 49 लाख से अधिक महिलाओं को ₹2076 करोड़ की सहायता

सिकल सेल मिशन

- अब तक 1.17 करोड़ से अधिक जांच पूर्ण
- चिह्नित रोगियों को मिल रही जेनेटिक काउंसलिंग, औषधियां एवं उपचार की निःशुल्क सुविधा
- अब तक 99 लाख से अधिक हितग्राहियों को जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड वितरित
- सिकल सेल की रोकथाम हेतु प्रीनेटल जांच सुविधा का लाभ

आदि सेवा पर्व

- जनजातीय समाज को शासकीय योजनाओं से सीधे जोड़ने के इस अभियान से योजनाओं का लाभ सुनिश्चित
- प्रदेश भर के 3 लाख से अधिक जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधियों द्वारा जागरूकता का प्रसार
- ग्राम स्तर पर सीधे संवाद, आदि सेवा केन्द्रों की स्थापना और शिकायत निवारण की व्यवस्था

एक बगिया माँ के नाम अभियान

- 'एक बगिया माँ के नाम' परियोजना से स्व-सहायता समूह की महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण
- एक बगिया माँ के नाम ऐप से चयनित 31 हजार से अधिक महिलाओं को परियोजना का लाभ
- 3 वर्ष के भीतर फलोद्यान विकास के लिए मिलेगा ₹3 लाख का अनुदान

पीएम मित्र पार्क, धार

देश का सबसे बड़ा, सबसे पहला ग्रीनफील्ड टेक्सटाइल पार्क

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 5F विज़न

फार्म — किसान कपास को सीधे कंपनियों को बेचकर बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकेंगे

फाइबर — पार्क में कपास की जिनिंग सुविधा भी उपलब्ध होगी, इससे कपास की गुणवत्ता में वृद्धि होने से धागा बनाने की प्रक्रिया अधिक कुशल होगी

फैक्ट्री — स्पिनिंग से लेकर निटिंग, डाइंग और प्रिंटिंग तक सभी सुविधाएं एकीकृत प्रक्रिया के तहत उपलब्ध होंगी

फैशन — गारमेंटिंग, डिजाइनिंग एवं फैशन इंडस्ट्री से जुड़े कौशल के कार्यों में महिलाओं के लिए अवसर बनेंगे

फॉरेन — यहां से तैयार कपड़ों के निर्यात से देश में विदेशी मुद्रा में वृद्धि होगी, आर्थिक विकास दर बढ़ेगी

पार्क क्षेत्र 2158 एकड़	पार्क लागत ₹2063 करोड़	नये रोज़गार लगभग 3 लाख
महिलाओं की भागीदारी लगभग 60%	निवेश ₹20,000 करोड़	3.5 लाख से अधिक कपास किसानों को लाभ

टेक्सटाइल के क्षेत्र में लब्ध-प्रतिष्ठित 91 कंपनियों को निवेश प्रस्ताव के अनुरूप भूमि आवंटित

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी D-11103/25 आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

सिरोंज के दीपनाखेड़ा थाने का मामला: जांच के बाद शाम को हुआ पोस्टमार्टम

गोहत्यारों के साथ लॉकअप में बंद बलात्कार के आरोपी का शव टॉयलेट में लटका मिला

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

दीपनाखेड़ा थाने के लॉकअप में ही मंगलवार को ज्यादती के एक आरोपी ने फांसी लगा ली। मामले में ज्यूडिशयली जांच की जा रही है। दीपनाखेड़ा थाना प्रभारी पूजा रावत ने मोहनपुर में रहने वाले ज्यादती के आरोपी देशराज अहिरवार 45 को गिरफतार किया था। शाम करीब 7 बजे गिरफतारी के बाद उसे थाने के ही लॉकअप में भी रखा गया था। लॉकअप में उस समय गौहत्या के मामले के दो आरोपी और पहले से ही बंद थे। सुबह पुलिस को जानकारी मिली कि देशराज ने लॉकअप के बाथरूम में ही फांसी लगा ली है। एएससी प्रशांत चौबे ने बताया कि लॉकअप के बाथरूम की खिड़की के ग्रिल में लोवर का फंदा बनाकर देशराज ने फांसी लगाई थी। वहां बंद दोनों कैदियों ने ही पुलिस को ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना का समय सुबह 5 से 6 बजे के बीच का है। थाने में सीसी टीवी कैमरे भी लगे हैं। उसमें घटना से जुड़ी काफी कुछ जानकारी मिलने की संभावना है।

जानकारी सामने आते ही हड़कंप मच गया। मौके पर पुलिस अधिकारियों का तांता लग गया। एक दिन पहले ही थाना क्षेत्र में गौहत्या का मामला हुआ था। जो दिनभर चर्चाओं में बना रहा। इस कारण पुलिस ने सुरक्षा के लिहाज से आसपास के थाना क्षेत्रों का पुलिस बल भी दीपनाखेड़ा थाने में बुला लिया था। दोपहर में करीब 2.30 बजे एसपी रोहित कासवानी भी मौके पर पहुंचे। वे थाने के भीतर पहुंचे और 5 मिनट से भी कम समय रूक कर मीडिया से चर्चा कर वापस लौट गए। विदिशा एसपी रोहित कासवानी ने बताया कि न्यायिक जांच में सब स्पष्ट होगा। हवालात में खुदकुशी कैसे हुई यह जांच का विषय है। न्यायिक जांच में जो तथ्य सामने आएंगे। उसी से सब स्पष्ट हो सकेगा।

भीम आर्मी और बसपा नेताओं ने सिरोंज में किया विरोध

घटना के बाद मृतक देशराज के पक्ष में कोई भी व्यक्ति थाने में नहीं पहुंचा। परिवार के लोगों से उसका विवाद चलता है। जबकि उसकी बहू और बेटा पहले से जेल में बंद है। इस बीच भीम आर्मी और बसपा द्वारा विरोध प्रदर्शन की जानकारी सामने आई। हालांकि इन दोनों ही संगठनों का कोई भी नेता दीपनाखेड़ा नहीं पहुंचा। भीम आर्मी नेता गब्बर सिंह और बसपा नेता लखपतसिंह ठकरेले ने सिरोंज शहर में ही पुलिस अधिकारियों से चर्चा कर मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की। उनका आरोप था कि यह मामला प्रताड़ना और हत्या का भी हो सकता है।

प्रथम श्रेणी मजिस्टेड ने लिए बयान, उन्हीं के सामने पीएम

ज्यूडिशयली जांच के लिए मौके पर प्रथम श्रेणी भी पहुंची। उन्होंने दिनभर थाना परिसर में ही रूक कर संबंधितों के बयान भी लिए। जिसकी वीडियोग्राफी भी करवाई गई है। शाम करीब 5 बजे शव को राजीव गांधी स्मृति चिकित्सालय लाया गया। यहां पर 3 डॉक्टरों ने की टीम ने न्यायाधीश के समक्ष पोस्टमार्टम किया।

ज्यादती के काउंटर केस में लॉकअप में बंद था आरोपी

पीड़ित महिला ने कुछ समय पहले सात लोगों पर ज्यादती का प्रकरण दर्ज करवाया था। इस मामले के 3 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आरोपी पक्ष ने भी देशराज सहित 4 लोगों पर ज्यादती का प्रकरण दर्ज करवाया है। इस मामले में भी 3 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इन्हीं में शामिल देशराज को लॉकअप में रखा गया था।

सड़क किनारे मिला तेंदुए का शव

नीमच। वन्य प्राणियों की आकस्मिक मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है। एक बार फिर संदिग्ध रूप से सड़क के किनारे तेंदुए का शव पड़ा मिला है। जानकारी के अनुसार नीमच जिले के अंतिम छोर करणपुरा इलाके में एक तेंदुए का शव सड़क किनारे संदिग्ध हालत में पड़ा मिला था। शुरुआती तौर पर माना जा रहा है कि सड़क क्रॉस करते वक्त किसी भारी वाहन की चपेट में आने से तेंदुए की मौके पर ही मौत हो गई है। लगातार तेंदुओं की मौत और विस्थापन ने इस दावे पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ये चौथा मामला है, जब चीता प्रोजेक्ट के दौरान तेंदुए की मौत हुई है। रात में अज्ञात वाहन की टक्कर से तेंदुए की मौत की संभावना जताई जा रही है। गांधी सागर से रामपुर की ओर रावलकुड़ी गांव से करीब 8 किलोमीटर दूर सड़क पर तेंदुआ मृत अवस्था में पाया गया है बताया जा रहा है कि वाहन की टक्कर से मौत हुई है।

सब इंजीनियर रिश्वत लेते पकड़ाया

सागर। सागर लोकायुक्त ने आरईएस के सब इंजीनियर को उसके किराए के मकान में 20 हतार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। सब इंजीनियर राजन सिंह ठाकुर ने ग्राम पंचायत बारामासा के सरपंच लीला गौंड से निर्माण कार्यों के मूल्यांकन के एवज में 50 हजार की मांग की थी। शिकायतकर्ता सरपंच लीला गौंड ने बताया कि 2 साल से निर्माण कंप्लीट है, लेकिन सब इंजीनियर राजन इनका मूल्यांकन नहीं कर रहे थे, मैंने 10 हजार रुपए भी दिए थे, लेकिन सब इंजीनियर 50हजार की मांग कर रहा था। सब इंजीनियर के घर 20 हजार की पहली किस्त देने की तारीख तय थी इसलिए जैसे ही मैं रुपए लेकर पहुंचा और सब इंजीनियर ने रुपए लिए और टीम ने उसे दबोच लिया।

हिंदी पखवाड़ा में हुआ काव्य पाठ

गंजबासौदा। शहर के शासकीय संजय गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मेरा भारत युवा भारत विदिशा के तत्वाधान में सावित्री महिला मंडल एवं ख्याल अपना के सहयोग से हिंदी काव्य पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नरेंद्र कुमार, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ सुमन लता गुप्ता, डॉ. सरिता घेंघट, डॉ विजय शाक्य डॉ डीके प्रजापति, डॉ. कंचन वैद्य, श्री घनश्याम चौकसे, मनीष दुबे एवं प्रभारी शिवानी गौर आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन से किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा भी स्वरचित पाठ काव्य पाठ किया एवं ख्याल अपना से भी स्वरचित काव्य पाठ किया गया है। काव्य पाठ करने वाले श्रेष्ठ वक्ताओं को स्मृति चिन्ह एवं सांत्वना पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम का सफल संचालन मनीष दुबे द्वारा किया गया। आभार रश्मि देशपांडे द्वारा व्यक्त किया गया।

203 दिव्यांजनों को मिला लाभ

गंजबासौदा। नगर पालिका में ब्लॉक स्तरीय दिव्यांगजनों के लिए शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 203 दिव्यांजनों के यूआईडी प्रमाणपत्र बनाए गए। शिविर के दौरान नपा में सासंद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सर्वहारा वर्ग के लोगों का कल्याण हो रहा है। चाहे बच्चे हो, युवा हो, महिलाएं हो या फिर बुजुर्ग हो सरकार इन सभी को अलग अलग योजनाओं से लाभान्वित कर रही है। यह सब केवल भाजपा सरकार में ही देखने को मिलता है। यह शिविर दिव्यांग जनों के लिए प्रमाण पत्र बनवाए जाने के लिए नपा द्वारा लगवाया गया था। इस शिविर में 203 दिव्यांग जनों का पंजीयन किया गया था और उन्हें मौके पर ही यूडीआईडी प्रमाण पत्र बनाकर दिए गए। सामाजिक न्याय विभाग से सामाजिक सुरक्षा अधिकारी मोनिका भार्गव ने बताया कि शिविर के दौरान डॉ राजकुमार वर्मा, डॉ अशोक राजपूत, आदर्श मिश्रा, डॉ गजेंद्र दांगी, डॉ रविन्द्र चिड़ार एवं जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र की टीम के साथ नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

पालक-शिक्षक संवाद का सफल आयोजन

तेंदूखेड़ा। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, तेंदूखेड़ा में पालक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के पालकों ने सक्रिय रूप से सहभागिता निभाई। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के त्रैमासिक परीक्षा परिणाम की जानकारी पालकों को देना तथा बच्चों की नियमित उपस्थिति और शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा करना रहा। शिक्षकों ने अभिभावकों को उनके बच्चों की प्रगति रिपोर्ट से अवगत कराया और पढ़ाई से संबंधित सुझाव साझा किए। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य रघुराज सिंह ठाकुर ने पालकों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों की सफलता में पालकों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने छात्रों की उपस्थिति, अनुशासन और सतत अध्ययन पर विशेष जोर दिया। बैठक में एस.के. सरैया, परमलाल अहिरवार सहित विद्यालय के अन्य शिक्षकगण भी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाने हेतु पालकों से सहयोग की अपील की।

राजकीय सम्मान से दी गई अंतिम विदाई, पुलिस आरोपी पति की तलाश में जुटी

सीधी में महिला हेड कांस्टेबल की हत्या, पति निकला कातिल

सीधी, दोपहर मेट्रो

जिले में पुलिस की एक महिला हेड कांस्टेबल की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हैरानी की बात तो ये है कि हत्यारा कोई और नहीं बल्कि महिला हेड कांस्टेबल का पति ही है। महिला का शव उसी के सरकारी क्वार्टर में बेड पर पड़ा मिला है। जबकि, वारदात को अंजाम देकर पति मौके से फरार हो गया। जानकारी लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस पंच नामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया। वहीं, मंगलवार सुबह महिला आरक्षक का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

मृतका महिला हेड कांस्टेबल सविता साकेत की बेटी आंचल साकेत ने मीडिया बातचीत के दौरान बताया कि, उसका पिता वीरेंद्र साकेत नशे का आदी है। उसी ने मम्मी की हत्या की है। मम्मी ने खाना बनाया और वो खाने बैठी थी कि, उनके पिता ने इस बात पर नाराजगी जताई कि मुझे खाना क्यों नहीं दिया। इसपर विवाद शुरु हो गया। हत्या के समय बच्चे घर पर नहीं थे।बेटी के अनुसार, रात 10.44 बजे मम्मी का कॉल आया था। उन्होंने कहा कि, तेरे पिता मुझसे लड़ रहे हैं। मेने उनसे कहा कि, आप दूसरे कमरे में चले जाओं और अंदर से दरवाजा बंद कर लो। इसपर मम्मी ने कहा- ये मेरे नाम पर आवंटित क्वार्टर है। मैं क्यों जाऊं, मुझे किसी से डर है क्या? ये कहते ही फोन कट गया और फिर मम्मी कमरे में इस हाल में मिली। बताया जा रहा है कि, आरोपी पति ने बेसबॉल के बैट से सिर पर कई हमले कर सविता की बेरहमी से हत्या की है।फिलहाल, पुलिस ने हत्या समेत अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपी पति की तलाश शुरु कर दी है।

शिक्षा गुणवत्ता का निरीक्षण और विद्यार्थियों का सम्मान

तेंदूखेड़ा। सांदीपनि विद्यालय में मंगलवार विकासखंड शिक्षा अधिकारी नितेश पांडे के द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, शिक्षण गुणवत्ता, कक्षाओं की स्थिति, विद्यार्थियों की उपस्थिति तथा परिणामों की समीक्षा की। निरीक्षण उपरांत विद्यालय के उन विद्यार्थियों को तिमाही परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार वितरित किए गए, जिन्होंने अपने मेहनत और लगन से अनुकरणीय परिणाम अर्जित किए। पांडे ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें आगे भी निरंतर मेहनत करने की प्रेरणा दी। उन्होंने शिक्षकों को भी मार्गदर्शन देते हुए कहा कि बच्चों की शिक्षा में नवाचार और व्यावहारिक ज्ञान को प्राथमिकता दी जाए।

दमोह पुलिस की कार्रवाई, नगर में निकाला जुलूस

साढ़े 3 लाख की 35 ग्राम स्मैक के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

दमोह, दोपहर मेट्रो

कोतवाली पुलिस ने साढ़े तीन लाख रुपए की स्मैक के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपियों का जुलूस निकालकर पुलिस ने उन्हें न्यायालय में पेश किया। एडिशनल एसपी सुजीत सिंह भदोरिया ने बताया कि सूचना मिल रही थी की कुछ लोग दमोह में स्मैक का कारोबार कर रहे हैं। टीम लगाई गई तो 15 सितंबर की रात मुखबिर से सूचना मिली कि पथरिया फाटक रेलवे ओवर ब्रिज के पास कुछ संदेही खड़े हुए हैं, जिनके पास बड़ी मात्रा में स्मैक हो सकता है। सीएसपी एचआर पांडे के निर्देशन में कोतवाली टीआई मनीष कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घेराबंदी कर तीन आरोपियों को पकड़ लिया।उनकी सर्चिंग की तो उनके पास से स्मैक बरामद हुई। जिसका तौल करने पर वह 35 ग्राम निकली, जिसकी बाजार में कीमत 3~30 लाख रुपए की है। पकड़े गए आरोपियों में दमोह के गडरयाऊ पानी की टकी के पास रहने वाला योगेश घारु पिता सुदामा धारु 25, महाकाली चौक निवासी गोलू उर्फ सौरभ पिता दिनकर रजक 23 और फुटेरा वार्ड निवासी जित्तू उर्फ यशवत पिता भूपत ठाकुर 45 शामिल है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का मामला दर्ज किया गया है।

आरोपी आरोपी योगेश धारू और जित्तू उर्फ यशवंत ठाकुर पर कोतवाली में पहले से एनडीपीएस एक्ट का अपराध दर्ज है, जिसमें दोनों फरार थे।

विशेष अभियान के तहत की गई कार्रवाई

रेलवे पुलिस ने 20 लाख रुपए के किए जब्त चांदी के आभूषण

इटारसी, दोपहर मेट्रो

त्योहारों के मौसम को देखते हुए, भोपाल के रेल पुलिस अधीक्षक (एसपी) राहुल कुमार लोढ़ा के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत, इटारसी जीआरपी ने करीब 20 लाख रुपए मूल्य के चांदी के आभूषण जब्त किए हैं। जीआरपी की टीम ने कुल 15.320 किलोग्राम चांदी के आभूषण, जिसमें पायल, अंगूठियां और सिक्के शामिल हैं, बरामद किए हैं।

इटारसी स्टेशन पर पुलिस टीम के आरक्षक संतोष पटेल और सतीश मौर्य नए फुट ओवर ब्रिज पर चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान, उन्होंने एक संदिग्ध व्यक्ति को पुलिस को देखकर भागते हुए देखा। पुलिस टीम ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह भीड़ का फायदा उठाकर अपना बैग वहीं छोड़कर भागने में कामयाब रहा। पुलिस टीम ने जब बैग की तलाशी ली, तो उसमें से विभिन्न डिजाइन और साइज की कुल 492 जोड़ी पायलें, 50 सिक्के और 18 अंगूठियां मिलीं। इन आभूषणों का कुल वजन 15.320 किलोग्राम था। प्रथम दृष्टया, इन आभूषणों के चोरी के होने की आशंका है, जिसके बाद इन्हें धारा 106 बीएनएसएस के तहत जब्त कर लिया है। मामले की जांच के लिए दो विशेष टीमें बनाई हैं जो भागे हुए संदिग्ध और आभूषणों के मालिक की तलाश कर रही हैं।

मेट्रो एंकर

नर्मदापुरम् जिले में शिक्षकों को वनमाली गुरु गौरव सम्मान से किया सम्मानित

शिक्षक राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं: शर्मा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

रविन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा जिले के लगभग 250 शिक्षकों को वनमाली गुरु गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। यह आयोजन शिक्षकों के समर्पण और शिक्षा क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को मान्यता देने के उद्देश्य से किया गया है। कार्यक्रम आयोजन कौशल श्री विकास समिति के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि नर्मदापुरम् विधायक डॉ सीताशरण शर्मा, विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, संयुक्त संचालक नर्मदापुरम डॉ. मनीष वर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी ज्योति प्रहलादी, डॉ. संजीव कुमार गुप्ता, डॉ. अतुल सेठा, डॉ. अनिल तिवारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा ने कहा कि शिक्षक समाज की आत्मा होते हैं। वे केवल ज्ञान ही नहीं देते बल्कि जीवन को सही दिशा भी दिखाते हैं। उनके मार्गदर्शन से विद्यार्थी अच्छे नागरिक और जिम्मेदार इंसान बनते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का परिश्रम और त्याग ही राष्ट्र की प्रगति की नींव है। ऐसे सम्मान कार्यक्रम शिक्षकों को नई प्रेरणा और ऊर्जा प्रदान करते हैं।

वहीं डॉ. संजीव गुप्ता ने सभी अतिथियों और शिक्षकों का स्वागत करते हुए कहा कि आरएनटीयू सदैव शिक्षकों के योगदान को सराहता है। यह सम्मान कार्यक्रम उनके प्रति आभार प्रकट करने का एक छोटा सा प्रयास है। कार्यक्रम में मौजूद डॉ. मनीष वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य चरित्र निर्माण और मूल्यों की स्थापना है। कार्यक्रम में नर्मदापुरम् जिले के सभी सात विकासखण्डों - नर्मदापुरम्, केसला, सिवनी मालवा, बाबई, सोहागपुर, पिपरिया और बनखेडी से आए शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर विशेष रूप से विनोद मुदगल राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित को विशेष पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे।

पश्चिम मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

खुली निविदा क्रमांक: WCR-CRWS-SEATBERTH-25-14R

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा अनुभवी ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का नाम:** स्ट्रीपिंग ट्रांसपार्टेशन रिपेयर एंड फिटमेंट टाईप ऑफ सीट/बर्थ्स/चेयर्स एंड पीवीसी ऑफ रेलवे बीजी कोचेस एट सीआरडब्ल्यूएस, भोपाल। **कार्य की लागत:** रु. 2,37,36,520.89, **निविदा फार्म का मूल्य:** रु. 0.00, **धरोहर राशि:** रु. 2,68,700.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 24 माह, **ऑनलाइन विडिग प्रारम्भ होने का दिनांक/ऑनलाइन निविदा बंद होने का दिनांक एवं समय:** 22/09/2025/06/10/2025 को 15.00 बजे तक, **निविदा खुलने का दिनांक एवं समय:** 06/10/2025 15.30 बजे, निविदा तथा निविदा प्रारुप की विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वेबसाइट www.ireps.gov.in एवं निविदा सूचना मुख्य कारखाना प्रबन्धक, सडिपुका/भोपाल कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

हस्ता.
मुख्य कारखाना प्रबंधक, सडिपुका, निशातपुरा, पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी का नया प्रायोजक होगा %अपोलो टायर्स%

ड्रीम 11 से ज्यादा देगा पैसा, 2028 तक का हुआ करार

नई दिल्ली , एजेंसी

ड्रीम11 के बाहर होने के बाद अपोलो टायर्स भारतीय क्रिकेट टीम का नया प्रायोजक बना है। बोर्ड ने इसको लेकर कोई आधिकारिक घोषणा भी कर दी है। बीसीसीआई और अपोलो टायर्स के बीच ढाई साल की अवधि के लिए करार हुआ है, जो मार्च 2028 में समाप्त होगा। इस डील के तहत, अपोलो टायर्स का लोगो सभी प्रारूपों में भारतीय पुरुष और महिला राष्ट्रीय टीमों की जर्सी पर दिखाई देगा।

इनके भी बोली में शामिल होने की चर्चा- न्यूज एजेंसी पीटीआई ने विश्वसनीय सूत्रों के हवाले से बताया कि यह करार 579 करोड़ रुपये का है, जो ड्रीम-11 के 358 करोड़ रुपये के समझौते से कहीं ज्यादा है। इस टायर्स मेजर के साथ डील में 121 द्विपक्षीय (बिलेटरल) मैच और 21 आईसीसी मैच शामिल हैं। अपोलो टायर्स एक बहुराष्ट्रीय कंपनी है जिसका मुख्यालय गुरुग्राम में स्थित है। इस टायर निर्माता कंपनी की भारत और विदेशों में, यूरोप समेत, उत्पादन इकाइयां हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपोलो टायर्स के अलावा कैनवा और जेके टायर बोली लगाने वाली दो अन्य कंपनियां रहीं। इसके अलावा, बिड़ला ऑप्टस पेंट्स निवेश करने के लिए उत्सुक तो दिख रही थी, लेकिन बोली प्रक्रिया में भाग नहीं लेना चाहती थी।

बीसीसीआई ने मंगाए थे आवेदन- दो सितंबर को बीसीसीआई ने भारतीय टीम के मुख्य प्रायोजक अधिकारों के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे और बोली प्रक्रिया मंगलवार को हुई। बीसीसीआई ने नियम बताते हुए कहा था कि गेमिंग, सट्टेबाजी, क्रिप्टो और तंबाकू ब्रांडों को बोली प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी। ऐसे में आने वाले समय में अब भारतीय जर्सी पर अपोलो टायर्स लिखा हुआ दिखेगा।

अपोलो टायर्स को मिल सकती है पहचान

आने वाले समय में भारत के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर को देखते हुए इस साझेदारी से अपोलो टायर्स को वैश्विक स्तर पर बड़ी पहचान मिलेगी। यह करार हाल के वर्षों में भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े और सबसे फायदेमंद स्पॉन्सरशिप कॉन्ट्रैक्ट्स में से एक माना जा रहा है।

अपोलो टायर्स ने क्या कहा?

वहीं, अपोलो टायर्स लिमिटेड के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नीरज कंवर ने कहा, %भारत और पूरी दुनिया में क्रिकेट की बेजोड़ लोकप्रियता को देखते हुए, हमारे लिए यह सम्मान की बात है कि हम टीम इंडिया के नेशनल टीम लीड स्पॉन्सर बने। यह साझेदारी राष्ट्रीय गर्व, उपभोक्ताओं के विश्वास को मजबूत करने और अपोलो को हमारे क्षेत्र में एक लीडर के रूप में पेश करने के साथ-साथ भारतीय खेल को उच्चतम स्तर पर समर्थन देने और दुनियाभर के फैंस के लिए अविस्मरणीय पलों का निर्माण करने के बारे में है।

ड्रीम-11 ने ली थी बायजू की जगह

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और अपोलो टायर्स का करार ऐसे समय में हुआ है, जब बीसीसीआई ने ड्रीम11 के साथ अपना अनुबंध को खत्म कर दिया था। ड्रीम11 से यह अनुबंध इसलिए समाप्त किया गया क्योंकि यह एक बेटिंग-संबंधित एप है, जिस पर हाल ही में बैन लगा दिया गया। इस वजह से 358 करोड़ रुपये का करार समय से पहले ही खत्म हो गया था। यह करार 2023 में तीन साल की अवधि के लिए हुआ था।

सवालों से डर गए पाकिस्तानी कप्तान?

बायकॉट की धमकी, फिर रद्द कर दी प्रेस कॉन्फ्रेंस, फिर हुई किरकिरी

नई दिल्ली , एजेंसी

एशिया कप के बायकॉट की धमकी देने वाली पाकिस्तानी टीम ने यूएई के खिलाफ मैच से पहले मंगलवार को होने वाली अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस को कैंसिल कर दिया। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि टूर्नामेंट के बहिष्कार की गीदड़भभकी देने वाला पाकिस्तान क्या सवालों से डर गया? दरअसल, पाकिस्तान ने धमकी दी थी की अगर आईसीसी मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को नहीं हटाता है तो वह यूएई के साथ मैच नहीं खेलेगा। लेकिन आईसीसी ने पाकिस्तान की इस मांग को खारिज कर दिया और एंडी पायक्रॉफ्ट को हटाने से इनकार कर दिया।

आईसीसी के इस फैसले से पाकिस्तान की फजीहत हो गई। अब उसे डर सताने लगा की अगर वह आईसीसी के इस फैसले के बाद भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में जाएगा तो उसका सामना तीखे सवालों से होगा। इस डर के मारे पाकिस्तान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस ही कैंसिल कर दी।

अब जानिए विवाद की असली वजह

दरअसल, पीसीबी ने आईसीसी में शिकायत दर्ज कराई थी कि पायक्रॉफ्ट ने रविवारको टॉस के समय पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा से कहा था कि वे भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव से हाथ न मिलाएं। पाकिस्तान टीम प्रबंधक नवेद चीमा ने एशियाई क्रिकेट काउंसिल में भी शिकायत दर्ज कराई थी कि पायक्रॉफ्ट की सिफारिश के कारण टीम शीट्स दोनों कप्तानों के बीच नहीं बदली गईं, जैसा सामान्य तौर पर होता है।

पाक बनाम मैच क्यों है दिलचस्प

ग्रुप-ए के समीकरण पर नजर डालें तो इसमें 4 टीमें हैं। भारत, पाकिस्तान, यूएई और ओमान। ओमान अब क्वालिफिकेशन की रेस से बाहर है। क्योंकि उसे अपने दोनों मैच में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं, टीम इंडिया ने अबतक खेले अपने दोनों मैच में जीत हासिल की है और सुपर-4 के लिए क्वालिफाई कर लिया है। लेकिन पाकिस्तान और यूएई ने एक-एक मैच जीते हैं और एक-एक मैच में उन्हें हार मिली है। ऐसे में पाकिस्तान और यूएई की भिड़ंत खास है। अगर पाकिस्तान बुधवार का मैच छोड़ता है, तो-श्व के 4 अंक हो जाएंगे, ऐसे में पाकिस्तान का बोरिया बिस्तर एशिया कप से बंध जाएगा।

ऑपरेशन व्हाइट बॉल के बाद आईसीसी के सामने भी पाकिस्तान क्लीन बोल्ड

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ एशिया कप 2025 में करारी शिकस्त झेलने के बाद पाकिस्तान की एक बार फिर किरकिरी हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एशिया कप 2025 से मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की मांग को आधिकारिक तौर पर खारिज कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, आईसीसी के संचालन या कानूनी विभाग की ओर से भेजे गए पत्र से स्पष्ट हो गया है कि रविवार को दुबई में भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान हुए हाथ न मिलाने के विवाद में मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट की कोई भूमिका नहीं थी। आईसीसी ने पाकिस्तान के इस दावे का खंडन किया है कि मैच रेफरी भारतीय टीम की ओर से काम कर रहे थे। पीसीबी ने भारत-पाकिस्तान मैच के बाद आईसीसी से कहा था कि अगर जिम्बाब्वे के अधिकारी को उनके पद से नहीं हटाया गया, तो पाकिस्तान एशिया कप 2025 के अपने अगले मैच का बहिष्कार करेगा। पाकिस्तान ने बुधवार को यूएई के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप मुकाबला खेलना है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीसीबी ने आईसीसी को लिखे पत्र में पाइक्रॉफ्ट को पद से हटाने की मांग की है।

यूएई से होनी है पाकिस्तान की टक्कर

एशिया कप 2025 में आज बुधवार को पाकिस्तान और यूएई के बीच मुकाबला खेला जाना है। सुपर-4 क्वालिफिकेशन के लिहाज से ये अहम मैच है। जो भी टीम ये मैच जीतेगी वो सुपर-4 के लिए क्वालिफाई कर लेगी।ऐसे में पाकिस्तान और यूएई दोनों के लिए ही ये मैच करो या मरो वाला है।टीम इंडिया ने सुपर-4 के लिए पहले ही क्वालिफाई कर लिया है।

आईसीसी वनडे रैंकिंग : वर्ल्ड कप से पहले शीर्ष पर मंधाना

नई दिल्ली , एजेंसी

वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पायदान हासिल कर लिया है। सलामी बल्लेबाज ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध अर्धशतकीय पारी खेलकर रैंकिंग में इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट को पछाड़ दिया।

स्मृति मंधाना ने 14 सितंबर को न्यू चंडीगढ़ में खेले गए मुकाबले में 63 गेंदों का सामना करते हुए 58 रन बनाए थे। उनकी इस पारी के दौरान 2 छक्के और 6 चौके भी देखने को मिले। इस पारी के चलते मंधाना को सात रेटिंग अंक मिले। अब वह इंग्लैंड की कप्तान से चार अंक आगे निकल गई हैं।

इसी मुकाबले में सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल ने 96 गेंदों में 64 रन की पारी खेली। उनकी इस पारी में छह चौके शामिल थे। वह चार पायदान की छलांग के साथ 42वें स्थान पर पहुंच गई हैं। 54 रन की पारी खेलने वाली हरलीन देओल पांच पायदान ऊपर चढ़ते हुए 43वें पायदान पर आ गई हैं। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने जीत दर्ज की थी। बेथ मूनी 74 गेंदों में नाबाद 77 रन की पारी खेलकर पांचवें स्थान पर पहुंच गई हैं। मूनी ने तीन पायदान की छलांग लगाई है। इनके अलावा, एनाबेल सदरलैंड चार पायदान, जबकि फोएबे लिचफील्ड 13 पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 25वें स्थान पर पहुंच गई हैं। भारत के खिलाफ इस मुकाबले में एनाबेल ने नाबाद 54 रन बनाए, जबकि फोएबे लिचफील्ड 80 गेंदों में 88 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम की शीर्ष स्कोरर रहीं। टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट खोकर 281 रन बनाए। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 44.1 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। ऑस्ट्रेलिया सीरीज में फिलहाल 1-0 से आगे है।

कानपुर : ऑस्ट्रेलिया ए और भारत ए के बीच वनडे सीरीज के लिए ग्रीन पार्क स्टेडियम में तैयारियां शुरू

कानपुर। भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए क्रिकेट टीम के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। तीनों ही मैच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेले जाएंगे। सीरीज का पहला मैच 30 सितंबर को खेला जाएगा। इसके लिए स्टेडियम प्रशासन ने स्थानीय प्रशासन के सहयोग से तैयारी शुरू कर दी है। टूर्नामेंट डायरेक्टर संजय कपूर, नोडल अधिकारी डीसीपी सत्यजीत गुप्ता सहित कई बड़े अधिकारी विधि व्यवस्था की जानकारी के लिए मंगलवार को स्टेडियम पहुंचे थे। संजय कपूर ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ÷हमारी कोशिश है कि कानपुर की जनता को मैच देखने के दौरान किसी भी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। हम चाहते हैं कि दर्शक आएं मैच का आनंद लें और जाएं। इस दौरान सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था रहेगी।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

सनी संस्कारी के गाने बिजुरिया पर गोविंदा की पत्नी संग झूमे मनीष पॉल

फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी रिलीज होने से पहले ही सुर्खियों में है, लेकिन उससे भी ज्यादा वायरल उसका गाना बिजुरिया हो रहा है। कई सेलेब्स और सोशल मीडिया यूजर्स इस गाने पर वीडियो बना चुके हैं और अब इसी कड़ी में अभिनेता मनीष पॉल ने भी अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा के साथ वीडियो बनाया है। मनीष ने इंस्टाग्राम पर सुनीता के साथ एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे दोनों बिजुरिया गाने पर शानदार मूव्स के साथ थिरकते दिख रहे हैं। इस वीडियो में मनीष पॉल ब्लू कलर का पैंट-शर्ट पहने हुए हैं, जो उन्हें काफी कूल और स्टाइलिश लुक दे रहा है। सुनीता ने ग्रीन कलर का सूट पहना हुआ है, मिनिमल मेकअप के साथ उन्होंने बालों में जूड़ा किया हुआ है। हाथों में चूड़ी और गले में मंगलसूत्र एकदम आकर्षक लुक दे रहे हैं। अभिनेता ने वीडियो पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, और शुरू करते हैं! अनीता आहूजा क्या बात है! आप तो कमाल हो बिजुरिया इस पोस्ट पर वरुण धवन ने कमेंट सेक्शन में लिखा, मेरी सबसे प्यारी और सबसे पसंदीदा व्यक्ति, जो बचपन से हमेशा मेरा साथ देती आई हैं, वे हैं सुनिता आंटी। लव यू सुनिता आंटी! सॉन्ग बिजुरिया अपकमिंग फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का है।

भोजपुरी सिनेमा की चर्चित एक्ट्रेस त्रिशा कर मधु सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। मंगलवार को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इस वीडियो में वह अपने नए गाने बथाथा बथाथा पर लिप सिंक करती नजर आ रही हैं।

लाल साड़ी में छाईं त्रिशा कर मधु,

बथाथा बथाथा गाने पर किया धमाकेदार डांस

वीडियो में त्रिशा कर मधु ने लाल रंग की खूबसूरत साड़ी पहन रखी है, जो उन पर बेहद सुंदर लग रही है। उन्होंने अपने बालों को खुला छोड़ा है, जो उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहा है। कैमरे के सामने वह गाने के हर एक बोल पर बखूबी लिप्सिंक करती दिख रही हैं। साथ ही बेहतरीन डांस मूव्स भी कर रही हैं। गाने की हर एक लाइन पर उनके एक्सप्रेशन्स दर्शकों का ध्यान खींच रहे हैं। त्रिशा कर ने पोस्ट के कैप्शन में गाने का नाम बथाथा बथाथा लिखा।

अगर हम बात करें बथाथा बथाथा गाने की, तो यह एक मजेदार भोजपुरी गाना है, जिसे राकेश मिश्रा और नेहा राज ने गाया है। इसके बोल बिट्टू मिश्रा ने लिखे हैं और संगीत विक्की वॉक्स ने दिया है। इस गाने में खुद त्रिशा कर मधु ने परफॉर्म किया है और वीडियो का निर्देशन पवन पाल ने किया है। त्रिशा कर के इंस्टाग्राम वीडियो पर फैंस जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। किसी ने उन्हें गॉर्जियस कहा, तो किसी ने उन्हें ब्यूटी क्वीन का टैग दिया। इससे पहले भी त्रिशा कर ने एक वीडियो पोस्ट की थी, जिसमें वह भोजपुरी गाने जवानी 4 दिन के पर लिपसिंक कर नजर आईं। इस गाने को श्रृष्टि भारती ने गाया और इसके बोल इमरान भाई ने लिखे। गाने का संगीत अंकुश कुमार ने तैयार किया है और इसे डायरेक्ट आजाद खान ने किया है। इस वीडियो को भी फैंस ने जमकर प्यार दिया। एक्ट्रेस की बात करें तो वह ए दूल्हा महाराज, कमर धके झूलअ, नदी बीचे कमरिया डोले, पहिले से जुठ बा, मन राखा मेहरारू के और छोट बाटे लहंगा चोली जैसे गानों के लिए मशहूर हैं।

भारत के सीमेंट उद्योग में अगले तीन वर्षों में लगभग 7 प्रतिशत वार्षिक मांग वृद्धि की उम्मीद

मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। भारत के सीमेंट उद्योग में अगले तीन वर्षों में लगभग 7 प्रतिशत वार्षिक मांग वृद्धि देखने को मिलेगी। एचएसबीसी ग्लोबल रिसर्च ने देश के सीमेंट उद्योग के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 26 मौजूदा मार्केट साइकल में क्षमता वृद्धि का पीक होगा। रिपोर्ट में बताया गया है कि शीर्ष चार कंपनियों के पास अब बाजार का 57 प्रतिशत हिस्सा है। एचएसबीसी का अनुमान है कि इस कंसोलिडेशन से मूल्य निर्धारण क्षमता में वृद्धि होगी। ब्रोकरेज ने कहा कि नवंबर से सीमेंट की कीमतों में वृद्धि होने की उम्मीद है। एचएसबीसी ने वित्त वर्ष 25-28ई के दौरान प्रति टन ईबीआईटीडीए में 13 प्रतिशत सीएजीआर वृद्धि का अनुमान लगाया है, जिसे वित्त वर्ष 26 में प्रति टन औसत बिक्री मूल्य में 3.6 प्रतिशत, वित्त वर्ष 27 में 2.5 प्रतिशत और वित्त वर्ष 28 में 2.1 प्रतिशत की वृद्धि का समर्थन प्राप्त है। रिपोर्ट में कहा गया है, ÷तीन वर्षों की मजबूत वृद्धि के बाद वित्त वर्ष 25 में मांग में कमी आई और यह लगभग 3 प्रतिशत रह गई।÷ ब्रोकरेज ने आगे कहा, ÷हमें वित्त वर्ष 26 की दूसरी छमाही में सुधार की उम्मीद है और हमारा मानना ??है कि लार्ज बेस और स्थिर सरकारी पूंजीगत व्यय के संयोजन से अगले तीन वर्षों में मांग वृद्धि 6-7 प्रतिशत वार्षिक के दायरे में सामान्य हो जाएगी।÷ जोखिमों में सरकारी पूंजीगत व्यय में भारी गिरावट शामिल है, जिसके होने की संभावना कम है और आवास क्षेत्र में मंदी भी शामिल है।

भारत में कैंपस हायरिंग का आउटलुक बेहतर, 73% संगठनों को वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली। भारत में कैंपस हायरिंग का परिदृश्य काफी अच्छा बना हुआ है और 73 प्रतिशत संगठनों को मध्यम से उच्च व्यावसायिक वृद्धि की उम्मीद है। यह जानकारी मंगलवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई। एओन द्वारा संकलित आंकड़ों से पता चलता है कि फाइनेंशियल सर्विसेज, लाइफ साइंस और कंज्यूमर गुड्स जैसे सेक्टर में आशावाद सबसे अधिक है। साथ ही, नए स्नातकों को नियुक्त करने की नियोक्ताओं की इच्छा 2024 की तुलना में मजबूत हो रही है। 220 से अधिक संगठनों के जवाबों पर आधारित कैंपस स्टडी रिपोर्ट 2025-26 से पता चलता है कि इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी, इंडस्ट्रियल, सामग्री और हेल्थकेयर जैसे क्षेत्र भी मांग को बढ़ावा दे रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, सर्वे में शामिल 40 प्रतिशत से अधिक कंपनियों ने वित्त वर्ष 2026 में अपने कर्मचारियों की संख्या में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करने की योजना बनाई है, जो वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद जॉब मार्केट में एक बड़े सुधार की ओर इशारा करता है। हायरिंग सेंटीमेंट में इस सुधार के बावजूद, नए स्नातकों के लिए कंपनसेशन ग्रोथ मामूली बनी हुई है। एमबीए और इंजीनियरिंग स्नातकों की कंपनी की कुल लागत (टीसीसी) में मामूली वृद्धि हुई है और यह वृद्धि फिक्स्ड सैलरी हाइक के बजाय जॉइनिंग बोनस और परफॉर्मेंस-लिंक्ड पे के कारण हुई है। संगठन प्रोत्साहन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिसमें वेरिएबल पे 10 से 12 प्रतिशत तक है।

195 किमी लंबी नदी पर भारत बना रहा सबसे ऊंचा दिबांग बांध

ईंट का जवाब पत्थर, मुंह ताकता रह जाएगा चीन

नई दिल्ली, एजेंसी

चीन के तिब्बती पठार में यारलुंग त्सांगपो नदी पर बन रहे बड़े बांध के जवाब में भारत अरुणाचल प्रदेश की सरहद के पास दिबांग बांध बनाने जा रहा है। 7.278 मीटर ऊंचा यह डैम भारत का सबसे ऊंचा बांध होगा, जिससे हर साल 11,223 मिलियन यूनिट बिजली पैदा करने का अनुमान है। भारत की सरकारी कंपनी एनएचपीसी लिमिटेड इस प्रोजेक्ट पर 17,069 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। इसका मकसद चीन द्वारा अचानक पानी छोड़े जाने पर बाढ़ से बचाव करना है। 91 महीने की समय-सीमा के साथ दिबांग बांध 2032 तक बनकर तैयार होने की उम्मीद है और यह भारत की सामरिक सुरक्षा के लिए अहम है। पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2880 मेगावाट की दिबांग मल्टीपर्पज प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी थी।

बिहार का रण: कांग्रेस ने सीट शेयरिंग पर रखे दो फॉर्मूले, 2020 के फार्मूले पर नजर

कांग्रेस के नए दांव से लालू यादव की सांसें फूलीं, हर जिले में मांगी कम से कम एक सीट

पटना, एजेंसी

महागठबंधन की राजनीति में कांग्रेस ने धीरे-धीरे रंग दिखाना शुरू कर दिया है। सीएम के नाम पर लगातार अपना रुख स्पष्ट न करते हुए कांग्रेस ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को यह तो बता दिया कि गठबंधन की राजनीति में इस बार उनका सामना पहले वाली कांग्रेस से नहीं है। यस मैन पॉलिटिक्स को ना कहते कांग्रेस ने इस बार सीट शेयरिंग को लेकर भी कांग्रेस के रणनीतिकारों ने दो फॉर्मूला महागठबंधन के प्लेटफॉर्म पर रख दिए हैं। इन दोनों फॉर्मूला पर बातचीत के लिए बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु को अधिकृत कर दिया है। वो कौन से दो फॉर्मूला हैं, जिसने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की भी सांसें फूला दी हैं। ये दो समीकरण है एक उप-मुख्यमंत्री समेत कितनी सीटें और एक बगैर उप मुख्यमंत्री समेत कितनी सीटें।

सीट शेयरिंग का फॉर्मूला नंबर वन

कांग्रेस सूत्रों की माने तो कांग्रेस ने राष्ट्रीय पार्टी की हैसियत दिखाते हुए वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में मिली 70 सीटों की संख्या तो जस के तस तो रख दी है, पर वे वही सीटें नहीं जो वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में लड़ी गई थीं। इस बार कांग्रेस के रणनीतिकारों ने अपने पद यात्रा के दौरान कमजोर विधानसभा सीटों का आंकलन कर उन सीटों को अपनी सूची से निकाल दिया है। इनके बदले कांग्रेस ने अपनी लिस्ट में कई ऐसी विधानसभा सीटों का नाम जोड़ा है, जहां दलित, अतिपिछड़ा, सवर्ण और मुस्लिम निर्णायक भूमिका निभाते हैं। कांग्रेस के रणनीतिकारों ने इन सीटों के संभावित उम्मीदवारों के संदर्भ में विचार भी किया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कांग्रेस 70 सीटों से थोड़ा बहुत इधर-उधर डिमांड तब करेगी जब वो उप-मुख्यमंत्री पद से अपना पल्ला झाड़ लेगी।

सीट शेयरिंग का फॉर्मूला नंबर-2

बिहार विधानसभा की जंग में कांग्रेस उप-मुख्यमंत्री पद की डिमांड के साथ उतरेगी तो सीटों की संख्या को लेकर थोड़ा ज्यादा लिबरल होगी। ऐसे में कांग्रेस आलाकमान का टारगेट 60 से 50 सीटों के बीच होगा। इन सीटों में जीती हुई 19 सीटें तो रहेंगी ही, इस पर कोई समझौता नहीं होगा। दूसरी शर्त यह कि सूची ऐसी बनाए जाए कि कांग्रेस को हर जिला में कम से कम एक सीट अवश्य मिले। तीसरी शर्त यह है कि एनडीए जहां कई चुनाव जीत चुकी है, वह कांग्रेस के माथे नहीं मढ़ा जाए। ऐसा नहीं होता है तो फिर कांग्रेस किसी भी तरह के निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र होगी।

बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु क्या सोचते हैं?

बिहार कांग्रेस के नेताओं ने दिल्ली में हुई बैठक के बाद बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने साफ किया है कि सीटों की संख्या सम्मानजनक हो और वह कांग्रेस के जिताऊ समीकरण के तहत फिट बैठती हो। अच्छी और खराब सीटों का संतुलन बनाना जरूरी है। कांग्रेस इस बार वर्ष 2020 वाली गलती नहीं दोहराएगी। यानी गत चुनाव में कांग्रेस ने ऐसी 45 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जो एनडीए का गढ़ था। इसका खामियाजा कांग्रेस को भुगतना पड़ा। इसे कांग्रेस नहीं दोहराएगी।

कल बिहार आएंगे अमित शाह

एनडीए में सीट शेयरिंग का सस्पेंस होगा खत्म! चुनाव पर करेंगे मंथन

पटना: बिहार में विधानसभा की 243 सीटों पर दो गठबंधनों की जोरदार टक्कर होने वाली है। सत्तारूढ़ गठबंधन एनडीए में जेडीयू और बीजेपी मुख्य हैं, तो वहीं, सरकार बनाए रखने में सहायक दलों की भी अहम भूमिका है। आने वाले चुनाव में सत्ता

बरकरार रखने के लिए एनडीए गठबंधन सीट बंटवारे पर गहन विचार कर रहा है। गुरुवार को केंद्रीय गृहमंत्री और बीजेपी नेता अमित शाह बिहार दौरे पर आ रहे हैं। जहां एनडीए नेताओं की बैठक में बिहार चुनाव पर मंथन किया जाएगा। आने वाले चुनाव में गठबंधन में शामिल पार्टियां अधिक से अधिक सीटें अपने खेमे में लाना चाहती हैं, इसके लिए दिल्ली से लेकर पटना तक लगातार बैठकें हो रही हैं। गठबंधन में जेडीयू और बीजेपी अहम भूमिका में हैं। इसके अलावा चिराग पासवान की बिहार विधानसभा में सक्रियता ज्यादा सीटों की मांग दर्शा रही है। हालांकि आने वाले दिनों में तस्वीर साफ हो जाएगी कि किसके पाले में कितनी सीटें आएंगी।

पिघलने लगी रिश्तों में जमी बर्फ

तीन महीने बाद मोदी-ट्रंप की बात, डोनाल्ड ने पीएम को दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अमेरिका के रिश्तों में पिछले कुछ महीने से जमी बर्फ आखिरकार पिघलती दिख रही है। कई महीनों की तनातनी के बाद मंगलवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन कर उन्हें 75वें जन्मदिन की बधाई दी। ट्रंप ने जहां रूस-यूक्रेन युद्धविराम पर समर्थन के लिए पीएम मोदी का आभार जताया। वहीं, मोदी ने उन्हें भरोसा दिलाया कि भारत-अमेरिका की साझेदारी को नई ऊंचाई पर ले जाएंगे।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैंने अपने दोस्त पीएम मोदी से अभी फोन पर बात की। उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। वह बहुत ही शानदार काम कर रहे हैं। नरेंद्र, रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध रुकवाने में आपके समर्थन के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। वहीं, पीएम मोदी ने कहा कि जन्मदिन पर बधाई देने के लिए शुक्रिया मेरे मित्र डोनाल्ड ट्रंप। आपकी तरह मैं भी भारत-अमेरिका की समग्र और वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में आपके प्रयासों का पूरा समर्थन करते हैं।

तीन महीने बाद हुई बात

ट्रंप और मोदी के बीच सीधी बातचीत तीन महीने के बाद हुई है। 17 जून को कनाडा में जी-7 की बैठक के बाद दोनों नेताओं में फोन पर 35 मिनट तक बात हुई थी। इस दौरान पीएम मोदी ने स्पष्ट कर दिया था कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान से युद्ध विराम अमेरिका के कारण नहीं, बल्कि पाकिस्तान के आग्रह पर हुआ था। इसमें किसी तीसरे पक्ष का कोई दखल नहीं था। इसके बाद जुलाई में ट्रंप ने भारत पर पहले 25 प्रतिशत, फिर अगस्त में 25 प्रतिशतअतिरिक्त टैरिफ लगा दिया। इससे दोनों देशों के रिश्तों में तनाव आ गया था। भारत-अमेरिका के बीच बंद व्यापार वार्ता भी मंगलवार से शुरू हो गई है। ट्रंप प्रशासन ने भारत के कृषि और डेयरी क्षेत्र को खोलने के मामले में भी रुख नरम कर लिया है। अब इन दोनों क्षेत्रों को पूरी तरह खोलने के बदले सिर्फ अमेरिका मक्का और प्रीमियम गुणवत्ता का पनीर भारत को बेचने पर जोर दे रहा है।

न नेपाली कांग्रेस, न कम्युनिस्ट, पड़ोस में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी फहराएगी परचम?

नई दिल्ली, एजेंसी

पड़ोसी देश नेपाल एक बार फिर राजनीतिक संकट से गुजर रहा है। इस देश में राजशाही खत्म होने और आधिकारिक तौर पर लोकतंत्र की स्थापना के बाद सबसे मुश्किल दौर में है। वर्ष 2008 में नवनिर्वाचित संविधान सभा ने नेपाल को संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया था। इस बाद यहां 2015 में नया संविधान लागू हुआ था। लेकिन, केवल 10 वर्ष में ही जेन-जी की क्रांति में यह मुल्क पूरी तरह बिखर गया। यहां पूर्व चीफ जस्टिस सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी है। उन्होंने छह माह के भीतर देश में चुनाव कराने की बात कही है। ऐसे में चुनाव को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

नेपाल में अभी तक कम्युनिस्ट पार्टियों और नेपाली कांग्रेस का दबदबा रहा है। ये दल भी अभी तक देश की शासन की बागडोर संभालते रहे हैं। लेकिन, इन सभी दलों के घोर भ्रष्टाचार में डूबे होने के आरोप लगे हैं। इस बीच एक नई पार्टी की चर्चा है। वह पार्टी 2022 में बनी है। इसका नाम है राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी। यह पार्टी मुख्य रूप से भ्रष्टाचार विरोधी, पारदर्शिता और सुशासन पर जोर देती है। 21 जून 2022 को घोषणा की गई। पार्टी का गठन 21 सदस्यीय केंद्रीय समिति के साथ किया गया। इसके संस्थापक रवि लामिछाने एक प्रसिद्ध पत्रकार और टीवी होस्ट हैं। उन्होंने गैलेक्सी 4च टीवी के मैनेजिंग डायरेक्टर के पद से इस्तीफा देकर राजनीति में प्रवेश किया।

वाराणसी में वकीलों ने दारोगा और सिपाहियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा कचहरी में पीएसी तैनात की गई

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी की कचहरी में बड़ागांव थाने से आए एक दारोगा और सिपाहियों की पिटाई से मामला गरमा गया है। यह घटना 16 सितंबर की है, जब दोपहर में वकीलों ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान दरोगा मिथिलेश प्रजापति को गंभीर चोटें आईं और कुछ सिपाही भी घायल हुए। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें मारपीट होते साफ दिख रही है।

पिटाई की वजह एक पुरानी घटना थी, जिसमें दारोगा ने कथित तौर पर एक वकील के साथ बदतमीजी और मारपीट की थी। इसका बदला लेने के लिए वकीलों ने घात लगाकर कचहरी में दारोगा पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि पिटाई का कारण एक पुराना जमीनी विवाद था, जिसमें दारोगा मिथिलेश प्रजापति ने एक वकील को हिरासत में लिया था।

टेस्ला की सेफ्टी पर सवाल

नहीं खुले दरवाजे, तोड़नी पड़ीं खिड़कियां अब 1 लाख 74 हजार कारों की होगी जांच

नई दिल्ली, एजेंसी। एलन मस्क के नेतृत्व वाली अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी टेस्ला एक बार फिर मुश्किलों में फंसती नज़र आ रही है। जरा सोचिए... आपने लाखों की हाईटेक टेस्ला कार खरीदी है। दनदनाती EV, चकाचक फीचर्स, सब कुछ बढ़िया। लेकिन जैसे ही आप गाड़ी से बाहर निकले और पीछे वाले दरवाज़े से बच्चे को उठाने गए... डोर हैंडल ही गायब! मतलब दबाइए जितना, खुलना ही नहीं है। नतीजा?

अमेरिका में कई मां-बाप को अपने ही बच्चों को टेस्ला कार से निकालने के

लिए कांच तोड़ना पड़ा है। अब मामला पहुंचा है अमेरिकी ट्रैफिक सेफ्टी एजेंसी NHTSA के पास। अब एजेंसी ने 1.74 लाख Model Y कारों पर जांच बैठा दी है। वजह है इलेक्ट्रॉनिक डोर हैंडल का फेल होना।

बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल

एजेंसी को मिली शिकायतों में कई माता-पिता ने दावा किया कि वाहन से बाहर निकलने के बाद जब वे बच्चों को पीछे की सीट पर बैठाने या निकालने के लिए दरवाज़ा खोलने लौटे, तो हैंडल ने काम करना बंद कर दिया। NHTSA के पास अब तक 9 मामले दर्ज हुए हैं, जिनमें दरवाज़े नहीं खुल सके। सबसे चिंताजनक बात यह रही कि चार मामलों में माता-पिता को कार की खिड़की तोड़कर बच्चे तक पहुंचना पड़ा।

मेट्रो एंकर | **यह मंदिर स्थापत्य, शिल्पकला और धार्मिक आस्था का दुर्लभ संगम**

भगवान विश्वकर्मा ने एक रात में बनाया था चमत्कारी सूर्य मंदिर

नई दिल्ली, एजेंसी

भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि का प्रथम शिल्पकार, वास्तुकार और इंजीनियर कहा जाता है। उनकी बनाई अद्भुत कृतियों की झलक आज भी भारत के कई प्राचीन मंदिरों और स्थापत्य कला में देखने को मिलती है। इसलिए हर साल 17 सितंबर को विश्वकर्मा पूजा और विश्वकर्मा जयंती धूमधाम से मनाई जाती है।

बिहार के औरंगाबाद जिले का सूर्य मंदिर, जिसे भगवान विश्वकर्मा ने स्वयं अपने हाथों से एक ही रात में निर्मित किया था। यह मंदिर स्थापत्य, शिल्पकला और धार्मिक आस्था का दुर्लभ संगम है, जहां दूर-दूर से श्रद्धालु और पर्यटक दर्शन करने पहुंचते हैं। औरंगाबाद का सूर्य मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि अपनी स्थापत्य कला और ऐतिहासिक मान्यता के कारण एक अद्भुत पर्यटन स्थल भी है। अगर आप विश्वकर्मा

जयंती पर कोई खास यात्रा करना चाहते हैं, तो इस रहस्यमयी मंदिर के दर्शन ज़रूर करें।

क्यों खास है औरंगाबाद का सूर्य मंदिर ?: यह देश का एकमात्र सूर्य मंदिर है जिसका द्वार पश्चिम दिशा की ओर खुलता है, जबकि अन्य सभी सूर्य मंदिर पूर्वाभिमुख हैं। मंदिर लगभग 100 फीट ऊंचा है और इसका निर्माण बिना सीमेंट-गारा के केवल काटे गए पत्थरों को जोड़कर हुआ है। मंदिर के पत्थर काले और भूरे रंग के हैं, जो इसे एक अलग ही भव्यता प्रदान करते हैं। स्थापत्य कला में यह मंदिर ओडिशा के कोणार्क सूर्य मंदिर से मेल खाता है। मंदिर के बाहर लगे शिलालेख में ब्राह्मी लिपि में लिखा है कि इसका निर्माण 12 लाख 16 वर्ष पहले त्रेता युग में हुआ था।

सूर्य मंदिर विश्वकर्मा की अनोखी रचना

औरंगाबाद जिले में स्थित यह सूर्य मंदिर अपनी अद्वितीय वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। मान्यता है कि मंदिर का निर्माण त्रेता युग में भगवान विश्वकर्मा ने मात्र एक रात में किया था। यहां भगवान सूर्य सात घोड़ों के रथ पर विराजमान हैं और उनके तीन रूप उदयाचल (प्रातः सूर्य), मध्याचल (मध्य सूर्य) और अस्ताचल (अस्त सूर्य) के दर्शन होते हैं।

कैसे पहुंचे सूर्य मंदिर ?: इस मंदिर में दर्शन के लिए आना चाहते हैं तो हवाई मार्ग के जरिए यात्रा के लिए औरंगाबाद से नजदीकी एयरपोर्ट पटना जाएं। यहां से करीब 180 किमी दूर मंदिर स्थित है। रेल मार्ग से यात्रा के लिए नजदीकी रेलवे स्टेशन औरंगाबाद है, जहां से मंदिर कुछ ही किलोमीटर दूर है। औरंगाबाद शहर से मंदिर मात्र 18 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां तक पहुंचने के लिए टैक्सी और बस सेवा आसानी से उपलब्ध है।

आसपास के पर्यटन स्थल: यहां देवकुंड नाम का प्राचीन शिव मंदिर स्थित है जो अपने खूबसूरत प्राकृतिक झरने के लिए प्रसिद्ध है। दर्शन के लिए भगवान विष्णु का प्राचीन मंदिर उमगा भी जा सकते हैं, जो सूर्य मंदिर की तरह अद्भुत वास्तुकला का उदाहरण है। पवई, माली और चंदनगढ़ पुरातत्व और ऐतिहासिक रुचि रखने वालों के लिए खास जगह हैं।

सात में से दो गंभीर, एक लापता

एमपी का वाहन बदरीनाथ हाईवे पर दुर्घटनाग्रस्त

ज्योतिर्मठ (चमोली), एजेंसी

बदरीनाथ हाईवे मारवाड़ी के समीप एक कार खेत में पलट गई, जिसमें सात लोग सवार थे। सवारी मध्य प्रदेश के निवासी है। एक तीर्थ यात्री लापता बताया जा रहा है। इस घटना में तीन तीर्थयात्री घायल हो गए थे, जिसमें दो गंभीर घायलों को हायर सेंटर रेफर किया गया है।

कोतवाली ज्योतिर्मठ के एसएसआई देवेंद्र पंत ने बताया कि वाहन में सात तीर्थयात्री सवार थे, जो गोविंदघाट से ज्योतिर्मठ की ओर आ रहे थे। मारवाड़ी के समीप वाहन खेत में पलट गया, जिसमें तीन सवार घायल हो गए। दो की हालत गंभीर है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022